इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष- 45 | अंक - 265 | राजनांदगांव, बुधवार 12 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

गांजा पीकर फ्लाइट उड़ा रहा था एअर इंडिया का पायलट, दूसरे टेस्ट में हुई पुष्टि; सीट से गायब होने का भी अंदेशा

नई दिल्ली। फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान (एआई2379) में 300 फीट के अचानक आए ड्रॉप और यात्रियों के घायल होने के मामले में एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इस उड़ान के पायलट-इन-कमांड (मुख्य पायलट) का दूसरा डोप टेस्ट भी पॉजिटिव पाया गया है। एअर इंडिया के सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के बाद तय मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत दोनों पायलटों का अनिवार्य साइकोएक्टिव सब्सटेंस (डोप) टेस्ट कराया गया था। शुरुआती स्क्रीनिंग रिपोर्ट में मुख्य पायलट के सैंपल पॉजिटिव पाए गए, जिसके बाद अंतिम और विस्तृत पुष्टि के लिए उनके सैंपल को एक और प्रयोगशाला (लैब) भेजा गया था।

गांजा के सेवन की हुई पुष्टि

सूत्रों ने पुष्टि की है कि लैब से आई दूसरी रिपोर्ट में भी पायलट के मारिजुआना (गांजा) के सेवन की पुष्टि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि टर्बुलेंस की इस घटना के तुरंत बाद विमान में सवार यात्रियों ने भी पायलट के नशे की हालत में होने का आरोप लगाया था और उनकी स्थिति पर सवाल उठाए थे। हालांकि, पायलट की इस कंफर्मेटरी लैब रिपोर्ट और गांजे के सेवन के खुलासे को लेकर एअर इंडिया की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या पक्ष जारी नहीं किया गया है।

सख्त कानूनी कार्रवाई की लटकी तलवार

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और सुरक्षा एजेंसियां इस रिपोर्ट को बेहद गंभीरता से ले रही हैं, क्योंकि उड़ान के दौरान 13 यात्री और 4 क्रू सदस्य घायल हुए थे। अब इस डोप रिपोर्ट को भी आधिकारिक जांच रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया जा रहा है, जिससे पायलट पर सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की तलवार लटक गई है।

क्या टर्बुलेंस के वक्त सीट पर मौजूद नहीं थे मुख्य पायलट?

इस पूरे मामले में एक और गंभीर पहलू पर तेजी से चर्चा हो रही है। उड्डयन गलियारों और जांच एजेंसियों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि जब विमान अचानक 300 फीट नीचे गिरा, तब क्या पायलट-इन-कमांड कॉकपिट में अपनी सीट पर मौजूद थे या नहीं? सूत्रों के मुताबिक, जांच टीम ब्लैक बॉक्स के कॉकपिट वायस रिकार्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) के जरिए यह सटीक समय पता लगाने में जुटी है कि घटना के वक्त मुख्य पायलट अपनी सीट पर थे, कॉकपिट से बाहर थे या फिर विमान पूरी तरह से फर्स्ट आफिसर (सह-पायलट) के नियंत्रण में था। इससे पहले, एयर इंडिया के आउटगोइंग CEO कैंपबेल विल्सन ने मंगलवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय और DGCA के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। विल्सन ने बैठक के बाद कहा कि मीटिंग में जांच की स्थिति को लेकर अपडेट दिया गया। बता दें, 4 अगस्त को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई2379 (एयरक्राफ्ट ए320, वीटी-ईएक्सओ) क्रूज के दौरान अचानक करीब 300 फीट नीचे गिर गई थी। विमान में 137 यात्री थे, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। इसके अलावा आठ क्रू सदस्य विमान में सवार थे। उड़ान के दौरान विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया। बाद में फ्लाइट स्थिर हुआ और दिल्ली में सुरक्षित लैंड कर गया। इस घटना की जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के एनेक्सचर 13 के तहत कर रहा है। वहीं घटना की जांच के लिए एयरबस और बीईए की टीम भी दिल्ली पहुंच रही है।

झारखंड जेएसएससी जेई पेपर लीक केस: परीक्षा एजेंसी के मैनेजर समेत छह आरोपी गिरफ्तार

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा तीन जुलाई 2022 को आयोजित जूनियर इंजीनियर नियुक्ति परीक्षा के पेपर लीक मामले में एसआईटी को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली स्थित बायनरिस्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड की परीक्षा एजेंसी के मैनेजर कृष्ण कुमार और पूर्व अभ्यर्थियों रंजीत मंडल, दीपक कुमार, अभिषेक कुमार तथा दीपक श्रीवास्तव को जेपीएससी 2022 पेपर लीक मामले में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अरुण को मुंबई से एसआईटी ने दबोचा

पेपर लीक के पूरे नेटवर्क की पड़ताल जारी

सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, इसी मामले में फरार चल रहे एजेंसी के निदेशक सह मैनेजर अरुण कुमार को भी मुंबई से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अब उससे पूछताछ कर पेपर लीक के पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

परीक्षा में शामिल एजेंसी की भूमिका भी जांच के दायरे में आई

गौरतलब है कि यह परीक्षा 1279 पदों पर नियुक्ति के लिए आयोजित की गई थी। परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र और उसके उत्तर के बाजार में पहुंचने के आरोप सामने आए थे। जांच में यह भी सामने आया कि परीक्षा से पहले कथित तौर पर प्रश्नों के उत्तर लिखे हुए उपलब्ध कराए गए थे, जिन्हें अभ्यर्थियों तक पहुंचाया गया। मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ परीक्षा संचालन में शामिल एजेंसी की भूमिका भी जांच के दायरे में आई। एसआईटी को जांच के दौरान एजेंसी की कथित मिलीभगत से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य मिलने के बाद उसके निदेशक अरुण कुमार तक पहुंचने में सफलता मिली। इस मामले में इससे पहले भी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब परीक्षा संचालन एजेंसी के (शेष पृष्ठ 6 पर...)

15 अगस्त से पहले पीएम मोदी की खास अपील, बोले- 'हर घर तिरंगा' को बनाएं उत्सव

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 2026 से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों के लिए खास संदेश जारी किया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान को सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर घर का उत्सव बनाने की अपील की है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में देशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगे के साथ जुड़ने और इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आइए, हर घर तिरंगा को हर घर में एक उत्सव बनाएं।' देश में स्वतंत्रता दिवस को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर लोगों से जुड़ने की अपील की है।

वीडियो संदेश के जरिए पीएम मोदी ने देशवासियों से आग्रह किया कि वे स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और इस अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि 'हर घर तिरंगा' को हर घर में एक उत्सव बनाया जाना चाहिए। उनका यह संदेश स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभर में तिरंगे के प्रति सम्मान और राष्ट्रभावना को मजबूत करने के अभियान से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए इस वीडियो के जरिए पीएम मोदी ने लोगों से अभियान में भाग लेने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

केरल का नाम केरलम करने के लिए सरकार ने लोकसभा में पेश किया विधेयक

नई दिल्ली। सरकार ने केरल का नाम केरलम करने से संबंधित विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश किया। केरल विधानसभा ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने से संबंधित प्रस्ताव दो साल पहले पारित किया था। केरल सरकार ने जून 2024 में राज्य की विधानसभा द्वारा नाम बदलने के संबंध में पारित प्रस्ताव केंद्र को भेजा था। इसके बाद राष्ट्रपति ने राज्य विधानसभा को अपनी राय देने के लिए एक विधेयक भेजा और बाद में राज्य विधानसभा ने विधेयक के संबंध में सहमत होते हुए सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया। कई मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के बीच गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पेश किया। विधेयक के उद्देश्यों में कहा गया है कि केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक में केरल राज्य के नाम में परिवर्तन का प्रविधान है। इसमें संविधान की प्रविधानों में आवश्यक संशोधन का प्रस्ताव भी शामिल है। इस विधेयक के जरिये संविधान की पहली अनुसूची में संशोधन किया जाएगा, जिसमें केरल के नाम को केरलम में संशोधित किया जाएगा। यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद तीन के अनुसार होगा। संविधान का अनुच्छेद तीन संसद को नए राज्यों के गठन और मौजूदा राज्यों के क्षेत्रफल, सीमाओं या नामों में परिवर्तन करने का अधिकार देता है।

दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित

कांग्रेस का गृह मंत्री पर बड़ा आरोप, संसद सत्र से नदारद हैं अमित शाह, डराने-धमकाने वाले खुद 'कायर'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद के वर्तमान मानसून सत्र में अब तक लोकसभा और राज्यसभा से अनुपस्थित रहे हैं तथा उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि डराने-धमकाने वाले खुद ''कायर'' होते हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद यह भी कहा कि खबरें ''प्लांट करने'' और विमर्श बदलने की कोशिशों के बावजूद गृह मंत्री सदन में नहीं आ सके। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''केंद्रीय गृह मंत्री आज भी लोकसभा में नजर नहीं आए, जबकि सदन की कार्यसूची में उनके नाम के आगे विधायी कामकाज सूचीबद्ध था।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया है कि डराने-धमकाने वाले खुद कायर होते हैं।'' उनके मुताबिक, शाह मानसून सत्र के अब तक 17 कार्य दिवसों में लोकसभा और राज्यसभा में नहीं आए हैं, जो ''वास्तव में अभूतपूर्व'' है। जयराम रमेश ने कहा, ''स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है- क्या वह ठीक हैं? क्या नंबर एक और नंबर दो के बीच सब कुछ ठीक है?'' संसद का वर्तमान मानसून सत्र बीते 20 जुलाई को आरंभ हुआ था। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण अब तक दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। हंगामे के बीच ही सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने में सफल रही है। सरकार ने कहा है कि वह छात्रों के विषय पर चर्चा कराने और इस पर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के लिए तैयार है, हालांकि विपक्ष का कहना है कि राम मंदिर से कथित चढ़ावा चोरी पर चर्चा, छात्रों पर कार्रवाई को लेकर शाह के जवाब और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से माफी की मांग के मुद्दे एक दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा वह इन तीनों मांगों पर कायम है।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अस्पताल से युवाओं के नाम लिखा भावुक खत, बोले- 'मेरी भूख हड़ताल जारी रहेगी'

रांची। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहा छात्र आंदोलन लगातार जारी है। इस बीच छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सदर अस्पताल से युवाओं के नाम एक भावुक खुला पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी और जब तक छात्रों को पूरा न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। देवेंद्र नाथ महतो ने अपने पत्र में 10 अगस्त को विधानसभा घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की।

देवेंद्र नाथ महतो ने सदर अस्पताल से जारी अपने खुले पत्र में कहा कि अस्पताल में रहने के बावजूद उनका आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने युवाओं से संघर्ष में साथ देने की अपील करते हुए कहा कि छात्रों के अधिकार और न्याय की लड़ाई जारी रहेगी। छात्र आंदोलन के बीच मंगलवार को झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी बयान सामने आया। उन्होंने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। सोरेन ने कहा कि परीक्षा आयोजित कराने वाली कंपनी टीडीपीएल का उत्तर प्रदेश से कनेक्शन है और पूरे मामले के पीछे साजिश है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रंग दे रहे हैं और लोकतंत्र को (शेष पृष्ठ 6 पर...)

देश में जल्द आएंगे 10 और 20 रुपये के पॉलीमर नोट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक जल्द ही देश में 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के पॉलीमर बैंक नोटों का क्षेत्रीय परीक्षण शुरू करेगा। केंद्र सरकार ने इस प्रस्ताव को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। दोनों मूल्यवर्ग के एक-एक अरब पॉलीमर नोटों का परीक्षण किया जाएगा। पॉलीमर नोटों की शुरुआत को देश की मुद्रा व्यवस्था को अधिक टिकाऊ, सुरक्षित और लंबे समय तक इस्तेमाल योग्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयोग माना जा रहा है। हालांकि, योजना अभी प्रारंभिक चरण में है और परीक्षण शुरू होने की सटीक तारीख तथा इससे होने वाले खर्च का अंतिम अनुमान अभी तय नहीं किया गया है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि परीक्षण के दौरान जारी किए जाने वाले पॉलीमर नोट मौजूदा कागज के नोटों के साथ ही प्रचलन में रहेंगे। यानी नए नोट आने के बाद पुराने कागजी नोटों को तत्काल चलन से बाहर नहीं किया जाएगा। यदि क्षेत्रीय परीक्षण सफल रहता है तो 10 रुपये और 20 रुपये के पॉलीमर नोटों को नियमित रूप से जारी करने पर विचार किया जाएगा।

पान मसाला की पैकेजिंग में बड़ा बदलाव, प्लास्टिक पैकेट पर एफएसएसएआई ने लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने पान मसाला की पैकेजिंग को लेकर नए नियम लागू किए हैं। इसके तहत पान मसाला की पैकेजिंग में प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्राधिकरण ने इससे संबंधित अधिसूचना 7 अगस्त को जारी की है। इसके साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक (पैकेजिंग) विनियम, 2018 में संशोधन किया गया है।

संशोधित नियमों के अनुसार अब पान मसाला की पैकेजिंग के लिए कागज, पेपरबोर्ड, सेल्युलोज अथवा अन्य प्राकृतिक रूप से प्राप्त सामग्रियों का इस्तेमाल किया जा सकेगा। नए प्रावधानों का उद्देश्य पान मसाला की पैकेजिंग में प्लास्टिक और उससे जुड़ी सामग्री के इस्तेमाल को समाप्त करना है। अधिसूचना के मुताबिक पान मसाला की पैकेजिंग अब पॉलीएथिलीन, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलिएस्टर, पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी), सिंथेटिक पॉलिमर, कोपॉलिमर और लैमिनेट से नहीं की जा सकेगी। इसके अलावा एल्युमीनियम फॉयल और धातुयुक्त परतों के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई गई है। इससे पान मसाला उद्योग में लंबे समय से इस्तेमाल किए जा रहे पारंपरिक प्लास्टिक पाउच पर प्रभावी रूप (शेष पृष्ठ 6 पर...)

शराब घोटाला, ईडी ने कांग्रेस नेता रामगोपाल को किया अरेस्ट: 5 दिनों की रिमांड मिली, भूपेश बोले- परेशान और बदनाम करने की जा रही कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कथित 3400 करोड़ रुपए के शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर रायपुर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 5 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। 17 अगस्त को फिर उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। आज कोर्ट पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामगोपाल अग्रवाल से मुलाकात की। बघेल ने कहा कि केवल परेशान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियों के पास नकली गवाह है, कोई सबूत नहीं है। बता दें कि इससे पहले EOW (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी, अब ईडी आगे की पूछताछ करेगी।

रामगोपाल अग्रवाल पर क्या हैं आरोप

EOW के मुताबिक, आरोप है कि शराब घोटाला, कोल लेवी और कस्टम मिलिंग से जुड़े पैसों को ठिकाने लगाने में रामगोपाल अग्रवाल की भूमिका थी। इसी वजह से एजेंसी ने आगे की पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय मांगा है।

8 जुलाई को किया था सरेंडर

कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल करीब तीन साल तक फरार रहे। 8 जुलाई को उन्होंने EOW कार्यालय पहुंचकर सरेंडर किया था। इसके बाद मेडिकल परीक्षण कर उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से 9 जुलाई को 17 जुलाई तक की पुलिस रिमांड मंजूर की गई थी। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद 5 अगस्त तक EOW की कस्टडी में भेज दिया गया था।

रामगोपाल अग्रवाल से 2 बार मिले भूपेश बघेल

25 जुलाई को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत कई सीनियर नेताओं ने रामगोपाल अग्रवाल के जेल भेजे जाने से पहले उनसे मुलाकात की थी। इस दौरान भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि पार्टी को बदनाम करने के लिए एजेंसियों का उपयोग किया जा रहा है। 11 अगस्त को दूसरी बार कोर्ट पहुंचकर भूपेश बघेल ने रामगोपाल अग्रवाल से मुलाकात की। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में जांच एजेंसियां कथित तौर (शेष पृष्ठ 6 पर...)

राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय विरासत की होगी विशेष प्रस्तुति

नई दिल्ली (दावा)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय सांस्कृतिक परंपराओं को 15 अगस्त, 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह 'एट होम' में राष्ट्रीय मंच मिलेगा। भारत की स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित इस समारोह में देश की सांस्कृतिक विविधता और पर्यावरण संरक्षण की समृद्ध परंपराओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मार्गदर्शन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की जीवंत लोक कला परंपराओं को प्रस्तुत किया जाएगा। इस वर्ष की विषय-वस्तु में समुदाय, संस्कृति और प्रकृति के बीच सदियों से कायम गहरे संबंध को प्रदर्शित किया गया है। समारोह में छत्तीसगढ़ का गेंड़ी नृत्य प्रमुख आकर्षणों में शामिल होगा। हरेली पर्व के अवसर पर ऊंची बांस की गेड़ियों पर किया जाने वाला यह पारंपरिक नृत्य कलाकारों के अद्भुत संतुलन, फुर्ती और कौशल को प्रदर्शित करता है। यह छत्तीसगढ़ के त्योहारों, ग्रामीण जीवन और सामुदायिक परंपराओं के बीच गहरे संबंध को भी दर्शाता है। इसके साथ ही बस्तर के मड़िया जनजातीय समुदाय से जुड़ा गौर मड़िया नृत्य भी प्रस्तुत किया जाएगा। इस नृत्य में कलाकार भैंस के सींग और मोर पंखों से सुसज्जित पारंपरिक शिरोभूषण धारण करते हैं। यह प्रस्तुति समुदाय की परंपराओं, वीरता और प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध को अभिव्यक्त करती है। छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लगभग 35 कलाकार स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह में विभिन्न लोक नृत्यों और पारंपरिक संगीत (शेष पृष्ठ 6 पर...)

गेंड़ी, गौर मड़िया और बस्तर की पारंपरिक संगीत परंपराएं राष्ट्रीय मंच पर करेंगी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को मौत की सजा, युद्ध अपराधों और नरसंहार के मामलों में कोर्ट ने ठहराया दोषी

नई दिल्ली। सीरिया में करीब 13 वर्षों तक चले भीषण गृहयुद्ध और लाखों बेगुनाह लोगों की जान लेने वाले दमनकारी शासन के बाद अब वहां की नई अंतरिम व्यवस्था ने पूर्व तानाशाहों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। 2011 में जब पूरे देश में लोकतंत्र की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू हुए थे, तब बशर अल-असद के शासन ने सेना और सुरक्षा बलों के जरिए उनका निर्मम दमन किया था। दिसंबर 2024 में विद्रोही बलों के दमिश्क पर कब्जा करने के बाद असद को देश छोड़कर भागना पड़ा था। अब दमिश्क की विशेष आपराधिक अदालत ने इतिहास रचते हुए असद परिवार और उनके करीबियों को उनके द्वारा ढहाए गए जुल्मों का हिसाब तय करते हुए मौत की सजा सुनाई है। सीरिया की राजधानी दमिश्क की चौथी आपराधिक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद को मानवता के खिलाफ अपराधों, बच्चों सहित हजारों निर्दोष नागरिकों की जानबूझकर की गई हत्याओं और प्रताड़ना का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। इस ऐतिहासिक सुनवाई के दौरान न्यायाधीश फखरुद्दीन अल-आरियान ने फैसला सुनाते हुए कहा कि असद सर्वोच्च निर्णय लेने वाले पद पर थे और उन्होंने राज्य की पुलिस, सेना और जांच एजेंसियों का इस्तेमाल निर्दोषों के नरसंहार के लिए किया। चूंकि असद फिलहाल देश में मौजूद नहीं हैं, इसलिए उन्हें गैर-मौजूदगी में फांसी की सजा सुनाई गई है। अदालत ने केवल बशर अल-असद ही नहीं, बल्कि उनके भाई और कुख्यात फोर्थ आर्मर्ड डिविजन के पूर्व कमांडर माहेर अल-असद को भी समान अपराधों में मौत की सजा दी है। इसके अलावा, 2011 में दरा प्रांत में राजनीतिक सुरक्षा के प्रमुख रहे और असद के चचेरे भाई आतिफ नजीब को भी मृत्युदंड दिया गया है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहला कॉलम...

विधानसभा अध्यक्ष, सांसद एवं महापौर ने दी हरेली तिहार की बधाई

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पाण्डे एवं महापौर मधुसूदन यादव ने नागरिकों को छत्तीसगढ़ के पहली तिहार हरेली पर्व की

अन्नय शुभकामनाएं दी है। उन्होने बधाई देते हुये कहा कि छत्तीसगढ़ में त्यौहारों की शुरवात हरेली त्यौहार से होती है, जिसे सावन मास के अमावस्या के दिन मनाया जाता है, इसलिये इसे हरियाली अमावस्या भी कहते है। विधायक डॉ. सिंह, सांसद श्री पाण्डे व महापौर श्री यादव ने कहा कि हरेली के दिन किसान अपने हल एवं कृषि औजारों की पूजा करते है और भगवान से अच्छी फसल की कामना करते है। त्यौहार में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन चिला, फरा आदि बनाकर खाया एवं खिलाया जाता है। इस दिन बास से बने गेडी चढकर तथा ग्रामीण परिवेश के खेल खो, कबड्डी, फुगड़ी आदि खेल कर त्यौहार का आनंद उठाया जाता है। उन्होंनें हरेली तिहार की पुनः बधाई देते हुये खेतो में अच्छी फसल की कामना की है, जिससे किसान खुशी से अपना जीवन यापन कर सके।

आज इंदामरा में हरियाली त्यौहार पर रुद्राभिषेक

राजनांदगांव (दावा)। ग्राम इंदामरा में 12 अगस्त को हरियाली त्यौहार के दिन भगवान शंकर की रूद्राभिषेक यज्ञ शिष्य परिवार इंदामरा के द्वारा पंडित राजेश तिवारी जी मानसकिंकर एवं भगवताचार्य राजराजेश्वर सेवा संस्थान साजा के सानिध्य में किया जा रहा है। जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी ग्राम इंदामरा के युवा रिनेश राज वर्मा ने दी है।

दिग्विजय स्टेडियम प्रबंधकारिणी समिति की बैठक 17 को

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष दिग्विजय स्टेडियम समिति जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में 17 अगस्त 2026 को सुबह 11 बजे स्टेडियम कॉन्फ्रेंस हॉल में दिग्विजय स्टेडियम समिति के संचालन हेतु स्टेडियम प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में संबंधितों को उपस्थित होने कहा गया है।

आज हेरली पर्व पर खेल प्रतियोगिता

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार सावन माह में मनाए जाने वाले हेरली पर्व के अवसर पर शिव मंदिर सेवा समिति द्वारा विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन आज दोपहर 3 बजे से शिव मंदिर परिसर, शंकरपुर वार्ड क्रमांक 09, राजनांदगांव में होगा। प्रतियोगिता में रस्सी खींच, कुर्सी दौड़, बोरा दौड़, चम्मच दौड़, घोड़ी दौड़, जलेबी दौड़, एड़ी दौड़, मटका फोड़, मटका दौड़ सहित गिल्ली-डंडा एवं अन्य पारंपरिक खेल शामिल हैं। रस्सी खींच प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम में 8 सदस्य होंगे। प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को आयोजन समिति द्वारा उत्कृष्ट पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। आयोजकों ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर हेरली पर्व की परंपरा और संस्कृति से जुड़ने की अपील की है।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम 17 अगस्त तक

राजनांदगांव (दावा)। शासन के निर्देशानुसार 9 से 17 अगस्त 2026 तक तीन चरणों में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग थीम पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। हर घर तिरंगा कार्यक्रम हेतु डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अभिषेक तिवारी का मोबाईल नंबर 7999044021 है।

सोमनी थाना क्षेत्र के प्लांट में मजदूर की हुई मौत पर हुई एफआईआर

राजनांदगांव (दावा)। सोमनी थाना क्षेत्र के ग्राम कोपेडीह स्थित

कल्याणी स्पंज आयरन प्लांट में बीते दिनों हुए एक मजदूर की मौत पश्चात प्लांट पर अज्ञात कारणों एफआईआर दर्ज नहीं हो पाई थी। सोमनी थाना प्रभारी एमन साहू और थाना स्टाफ पुलिस की सक्रियता के चलते लगभग डेढ़ माह चली लम्बी जांच के बाद फाइनली कल्याणी स्पंज आयरन प्लांट मामले में एफआईआर दर्ज हो गया। सोमनी थाना प्रभारी श्री साहू ने बताया कि उक्त मामले में ठेकेदार सुरक्षा अधिकारी और सुपरवाइजर के खिलाफ लापरवाही किए जाने पर धारा 106 (1) का अपराध पंजीबद्ध कर आगे की कार्रवाई में ले लिया गया है।

SILVER SCREEN MULTIPLEX
07th Aug To 13th Aug 2026

DC The Bloody Valentine - 12:00, 03:00 & 09:00 pm
Spider Man Brand New Day (Hindi 2D) - 12:30, 03:30, 06:30, 09:30 pm
Jaan Lebe Ka (C.G)- 12:15pm & 03:15pm
Jan Neta - 06:00 & 09:15 pm
Dhamaal 4 - 06:15 pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G)
Only For Enquiry 8085600200

श्री कृष्णा (एयरकूल) में
रोजाना 4 खेल
छत्तीसगढ़ी धमाका
शानदार दूसरा सप्ताह
जान लेबे का
मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

हर घर तिरंगा अभियान की धूम, बाजार में छा गया राष्ट्र ध्वज तिरंगा

स्वतंत्रता दिवस के चलते तिरंगे की मांग और भी बढ़ी

राष्ट्रवादी सोच के लोग अपने घरो वाहनों व कार्यालयों में लगा रहे तिरंगा

राजनांदगांव (दावा)। इन दिनों देश भर में हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान की धूम बनी हुई है। इस वर्ष राष्ट्रव्यापी उत्सव वंदे मातरम के 150 वे वर्ष के साथ- साथ हर घर तिरंगा अभियान के चलते लोगों में देश भक्ति, राष्ट भक्ति का माहौल और भी अधिक बढ़ गया है। उस पर देश की आजादी के 79 वे स्वतंत्रता दिवस की बात हो तो यह तिरंगा उत्सव सोने में सुहागा हो गया है। चूंकि 15 अगस्त को देश की 79 वी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम के साथ मनाया जाना है इसलिए शहर का बाजार छोटे - छोटे तिरंगे से लेकर फिरकी वाले तिरंगे, खादी के बड़े आकार वाले तिरंगे, तिरंगे पतंग, आदि की मांग बढ़ गई है। राष्ट वादी सोच के लोग अपने घरो वाहनों व कार्यालयों में तिरंगे खरीद कर लगा रहे हैं। उनमें स्वतंत्रता दिवस से पहले देश् भक्ति व राष्ट्र प्रेम की भावना हिलोरें मारने लगी है। मोटर साइकल, स्कूटी से छोटे- छोटे तिरंगे लहराने लगे हैं।

बाजार में छोटे तिरंगे 10 रुपए में वहीं फिरकी वाले तिरंगे 20 - 25 रुपए प्रति नग बिकने लगे हैं। शहर के चौक -चौराहे में तिरंगा बेचने वालों की दुकानें सजी हुई है। तीन रंग

में रंगे देश का राष्ट्र ध्वज तिरंगा लोगों को आकर्षित कर रहा है।

7 अगस्त से 17 अगस्त तक चलेगा तिरंगा अभियान

बता दें कि छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा केंद्र सरकार के दिशा निर्देशों के तहत 7 अगस्त से 17 अगस्त तक प्रदेश भर में हर घर तिरंगा अभियान व वंदे मातरम गायन और विभिन्न सांस्कृतिक व देश भक्ति कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाना सुनिश्चित हुआ है। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण के बाद पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर सामूहिक राष्ट्रगान और वंदेमातरम का गायन होगा।

तिरंगा यात्राएं, रैलियां और मैराथन

अभियान के दौरान सभी जिला मुख्यालयों, विकास खंडों, ग्राम पंचायतों और शैक्षणिक संस्थानों में तिरंगा यात्राएं,बाईक व कार रैलियां, मशाल रैलियां, तथा तिरंगा मैराथन दौड़ आयोजित की जाएगी। इनमें जन प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों, पुलिस, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड और आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रहेगी।

14 अगस्त को भारत विभाजन की विभिषिका और स्वतंत्रता संग्राम के बलिदान को याद करते हुए विशेष प्रदर्शनियां लगाई जाएगी। कुल मिलाकर देखा जाए तो समूचा देश तिरंगे की रंग में, राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा रहेगा। वंदे मातरम का गान हर भारतीयों के सीने को चौड़ा कर देगा।

तिरंगा सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड

इस बार नागरिक, अपने घरों पर फहराएं तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर, 'हर घर तिरंगा' पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा कैनवास, तिरंगा मेले और देश भक्ति कांन्सर्ट आयोजित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय स्वदेशी उत्पादो व कारीगरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। प्रदेश भर में आडियो और विडियो बूथ स्थापित किए जाएंगे, जहां नागरिक स्वयं वंदे मातरम गाकर अपनी रिकार्डिंग अपलोड कर सकेंगे। इस तरह जन-जन में देश भक्ति व राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार होगा। बहरहाल हर घर तिरंगा अभियान व वंदे मातरम गायन के साथ स्वतंत्रता दिवस का पर्व धूमधाम से मनाने के लिए पर्वीय माहौल बनने लगा है। इस माहौल को बाजार में बिकने वाली तीन रंगों वाले आकर्षक तिरंगे और भी मजबूती दे रहे हैं।

संस्कार, शिक्षा, अनुशासन और नेतृत्व का आयोजन है शपथ ग्रहण

राजनांदगांव (दावा)। शहर की अग्रणी शैक्षणिक संस्था गायत्री विद्यापीठ सीजी अंग्रेजी माध्यम के प्राथमिक विभाग में छात्र-छात्राओं को शिक्षा सत्र के लिए प्रीफेक्ट एवं असिस्टेंट प्रीफेक्ट के पद पर नियुक्त कर आकर्षक, सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

शपथ ग्रहण समारोह की मुख्य अतिथि अधिवक्ता कुसुम दुबे थी। संस्था के शैक्षणिक प्रभारी अमित उत्तालवर प्राचार्य पिंकी खंडेलवाल उप प्राचार्य वंदना डुंभरे द्वारा आयोजन की शुरुवात मुख्य अतिथि का स्वागत एवं मां सरस्वती के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अधिवक्ता कुसुम दुबे ने गायत्री विद्या पीठ को संस्कार गढ़ने वाली संस्था बताते हुए यहां प्राथमिक विभाग से ही बच्चों में संस्कार, शिक्षा के साथ अनुशासनात्मक नेतृत्व दायित्व को अग्रसर करने वाले ऐसे आयोजन हेतु संस्था की प्रबंधन समिति सहित प्राचार्य पिंकी खंडेलवाल की अग्रसर सोच से पदीय जिम्मेदारी ग्रहण करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई शुभकामनाएं दी। प्राचार्य पिंकी खंडेलवाल ने नवनिर्वाचित छात्र छात्राओं को अनुशासन हेतु मिले दायित्व निर्वहन के लिए उत्साहवर्धन की पश्चात छात्रा प्रतिनिधि महक पंजवानी, उप छात्रा प्रतिनिधि नित्या सिंह, छात्र प्रतिनिधि उज्ज्वल दुबे, उप छात्र प्रतिनिधि आरव पंजवानी सहित अन्य क्षेत्र के लिए नियुक्त छात्र/छात्राओं के प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गई।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से जब्त की 45 पौवा देशी प्लेन शराब

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगांव पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के शराब बेचने वाले आरोपी पर कार्रवाई करते हुए उसके पास से 45 पौवा देशी प्लेन शराब जब्त की है। पुलिस ने आरोपी के

खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। थाना डोंगरगांव पुलिस टीम द्वारा जुर्म-जरायम पतासाजी हेतु ग्राम भ्रमण किया जा रहा था। इसी दौरान ग्राम कुमरदा बस स्टैण्ड के पास मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम कुमरदा बाजार क्षेत्र में बरगद पेड़ के पास एक व्यक्ति लाल-पीले रंग के थैले में अवैध शराब रखकर बिक्री करने हेतु ग्राहक का इंतजार कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। मौके पर मुखबिर के बताए हुलिये के अनुसार एक व्यक्ति लाल-पीले रंग का थैला लेकर खड़ा मिला, जिसे घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ करने पर उसने अपना नाम कमलेश कुमार साहू पिता थुकेल राम साहू, उम्र 41 वर्ष, निवासी ग्राम कुमरदा, बताया। तलाशी लेने पर उसमें 45 पौवा देशी प्लेन शराब सुपर 36 ब्राण्ड कीमती 3,600 रूपये बरामद कर विधिवत जप्त की गई। आरोपी आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं पूज्य संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने किया दुग्धाभिषेक, वृक्षारोपण एवं सिंधी समाज की मांगों पर हुई चर्चा

राजनांदगांव (दावा)। सावन माह के पावन अवसर पर आज प्रातः 8:30 बजे लालबाग स्थित लालबगेश्वर धाम में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, पूज्य संत डॉ. युधिष्ठिर लाल शदाणी दरबार के नवम पीठाधीश्वर, महापौर मधुसूदन यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, सिंधी समाज के वरिष्ठजन, पार्षद एवं राजस्व चेयरमैन राजा माखीजा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक एवं विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर 'हर-हर महादेव' एवं 'बोल बम' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात सभी अतिथियों ने संत शदाणी उद्यान में 'एक पेड़ माँ के

नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. रमन सिंह, पूज्य संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी एवं महापौर मधुसूदन यादव ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान सिंधी समाज के अध्यक्ष मंशाराम मोटलानी, ब्रह्मानंद बजाज, वरिष्ठ सलाहकार अवताराराम तेजवानी, अर्जुनदास पंजवानी, गुरमुखदास वाधवा, राजकुमार डुलानी एवं पार्षद एवं राजस्व चेयरमैन राजा माखीजा, भाजपा प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी अमर लालवानी, पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव हरीश मोटलानी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से भेंट कर सिंधी समाज की वर्षों पुरानी मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सिंधी समाज पिछले लगभग 20 वर्षों से समाज के लिए भूमि आवंटन की मांग कर रहा है, किन्तु आज तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। साथ ही महापौर मधुसूदन यादव से संत शदाणी उद्यान के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का अनुरोध किया गया, ताकि उद्यान को समाज एवं आम नागरिकों के लिए और अधिक सुविधायुक्त एवं आकर्षक बनाया जा सके। डॉ. रमन सिंह एवं महापौर मधुसूदन यादव ने समाज की मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। सिंधी समाज, लालबागेश्वर धाम सेवा समिति, शदाणी सेवा मंडल, शदाणी महिला मंडल, शदाणी युवा मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

युगांतर में इंटर स्कूल प्रतियोगिता 'नेक्सस' का प्रभावी आयोजन

राजनांदगाँव (दावा)। युगांतर पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी विभाग द्वारा नेक्सस प्रोग्राम आयोजित हुआ। इसके तहत विविध इंटर स्कूल प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जिसमें केस कनक्लेव, नाट्य प्रस्तुति (कामिकल ड्रामैटिक ड्रॉप) शामिल रहीं। केस कनक्लेव में प्रथम अजीज पब्लिक स्कूल, द्वितीय गायत्री विद्यापीठ, तृतीय नीरज पब्लिक स्कूल तथा नाट्य प्रस्तुति (कामिकल ड्रामैटिक ड्रॉप) में प्रथम नीरज पब्लिक स्कूल, द्वितीय नीरज विद्या मंदिर, तृतीय अजीज पब्लिक स्कूल रहे। युगांतर के विद्यार्थियों ने दोनों प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, पर वे आयोजनकर्ता विद्यालय होने के कारण इन प्रतियोगिताओं से बाहर रहे। इनके प्रदर्शन को निर्णायकों ने काफी सराहा। इन प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों को उनकी कुशल अभिव्यक्ति के साथ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य किया। यही नहीं प्रतियोगिताओं ने उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, जिससे उन्होंने अपनी रचनात्मकता और भाषाई कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने अपनी वाक-पटुता, अभिनय कौशल और अपनी भाषा पर सशक्त पकड़ से दर्शकों को काफी प्रभावित किया। प्रतियोगिताओं के उपरांत विजेताओं को विद्यालय के प्राचार्य मधुसूदन नायर, पीआरओ स्पोर्ट्स ऑफिसर दिनेश प्रताप सिंह तथा विभागाध्यक्ष कंचन सोहल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य मधुसूदन नायर ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें अपने अभिव्यक्ति एवं प्रस्तुति कौशल को और श्रेष्ठता से निखारने पर जोर दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में प्रभारी सुषमा प्रताप, दीपांक्षा शर्मा एवं अर्पण सैमुअल मसीह ने अमूल्य योगदान दिया।

केस कनक्लेव में अजीज पब्लिक स्कूल प्रथम

101 फीट तिरंगा नहीं लगा, संतोष पिल्ले ने जताई नाराजगी

राजनांदगांव (दावा)। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व में अब महज कुछ ही दिन शेष रह गए हैं लेकिन शहर के जय स्तंभ चौक स्थित 101 फीट ऊंचे विशाल तिरंगे को अब तक नहीं लगाए जाने को लेकर नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने इस मामले को लेकर निगम प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जल्द से जल्द जय स्तंभ चौक में तिरंगा लगाने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि जय स्तंभ चौक पर लगाया जाने वाला 101 फीट ऊंचा तिरंगा शहर की शान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व से पहले यहां तिरंगा लहराना शहरवासियों के लिए गर्व का विषय होता है लेकिन पर्व नजदीक आने के बावजूद अब तक तिरंगा नहीं लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कुछ दिन पूर्व नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम से चर्चा कर तिरंगा लगाए जाने की बात कही गई थी। इसके बावजूद अभी तक जय स्तंभ चौक पर तिरंगा नहीं लगाया गया है। श्री पिल्ले ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं ऐसे में निगम प्रशासन को इस महत्वपूर्ण विषय पर तत्काल

15 अगस्त से पहले जय स्तंभ चौक पर तिरंगा लगाने की मांग

कार्रवाई करनी चाहिए। श्री पिल्ले ने नगर निगम प्रशासन और महापौर मधुसूदन यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि शहर के गौरव और राष्ट्रीय पर्व से जुड़े विषय को लेकर भी यदि समय पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो यह गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निगम प्रशासन और महापौर इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जय स्तंभ चौक शहर के प्रमुख और ऐतिहासिक स्थलों में शामिल है। यहां लगा विशाल तिरंगा शहर की पहचान और गौरव से जुड़ा हुआ है। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यहां तिरंगे का सम्मानपूर्वक आरोहण होना आवश्यक है। श्री पिल्ले ने निगम प्रशासन से मांग की है कि स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए बिना किसी और देरी के जय स्तंभ चौक में 101 फीट ऊंचा तिरंगा लगाया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व में अब केवल तीन दिन का समय शेष है इसलिए निगम प्रशासन तत्काल कार्रवाई करते हुए आज ही तिरंगा सम्मानपूर्वक लगाए ताकि 15 अगस्त के दिन शहरवासी पूरे गौरव और सम्मान के साथ राष्ट्रीय पर्व मना सकें। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है।

शुभांक

बी. के.
2-6-7
459-8 227-1
राजधानी
1-6-9
230-5 148-3
अनुमानित

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

NAME CHANGE NOTICE

GURPREET KAUR (GURPREET KAUR), residing at Street No. 6, Lal Bagh, Rajnandgaon, Chhattisgarh – 491441, do hereby solemnly affirm and declare that I have changed my Name from Gurpreet kaur (Gurpreet kaur) to Gurpreet kaur Kanjwani (GURPREET KAUR KANJWANI).Henceforth, I shall be known and identified by the Name Gurpreet kaur Kanjwani (GURPREET KAUR KANJWANI) for all purposes, and all my Government, Semi-Government, Official, Legal, and other records and documents shall bear and recognize my new name accordingly.

GURPREET KAUR KANJWANI
Street No. 6, Lal Bagh, Rajnandgaon, Chhattisgarh – 491441

// ईश्तहार //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक **टीकाराम पिता-गोविन्द** जाति-गोड़ निवासी-हुच्चेटोला पोस्ट- मंगचुवा, तह. डौंडी-लोहारा, जिला-बालोद (छ.ग.)। पिन नं. 491665 का निवासी हूं। जो कि मेरे पुत्र के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर **योगेश कुमार Yogesh Kumar** अंकित है। उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे पुत्र के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान **ओगेश कुमार OGESH KUMAR** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में **योगेश कुमार Yogesh Kumar** अंकित हैं। उसे सुधार करवाकर **ओगेश कुमार OGESH KUMAR** अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।
स्थान:-अं. चौकी, दिनांक:-10/08/2026

आवेदक
टीकाराम
निवासी-ग्राम- हुच्चेटोला
तह. डौंडी-लोहारा, जिला- बालोद

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी कटघोरा वनमण्डल, कटघोरा, जिला -कोरबा (छ.ग.)

(न/फैक्स नं. 07815-250157

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कटघोरा वनमण्डल के अंतर्गत कसनिया काष्ठागार में नीलाम दिनांक **18.08.2026** को रखी गई निम्नानुसार ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा / व्यापारिक बांस/आद्योगिक बांस का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जायेंगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/काष्ठागार कसनिया से प्राप्त की जा सकती है।

अ.क्र.	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष		नया वनोपज		योग	
		लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी
		घ.मी	नग	घ.मी.	नग	घ.मी.	नग
1	सागौन	342.915	7300	152.918	3561	495.833	10861
2	साल	5545.983	7150	827.416	1416	6373.399	8566
3	बीजा	425.675	432	125.740	348	551.415	780
4	तिंसा	35.717	288	11.993	201	47.710	489
5	शीशम	0.000	0			0.000	0
6	खम्हार	0.208	32			0.208	32
7	हल्दू	17.901	17			17.901	17
8	साजा	219.018	1132	70.089	323	289.107	1455
9	धावड़ा	214.114	1148	63.374	383	277.488	1537
10	सलिहा	26.641	0	2.482		29.123	0
11	नीलगिरी	1.591	130	3.531		5.122	130
12	शीशु	0.000	0			0.000	0
13	अन्य	612.104	2496	24.778	435	636.882	2931
14	तेन्दू	13.918	17	8.234		22.152	17
	योग (काष्ठ)	7455.785	20142	1290.555	6673	8746.340	26815
14	सागौन जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
15	सतकाठा जलाऊ	2245	चट्टा	0	चट्टा	2245	चट्टा
16	कर्रा जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
17	नीलगिरी	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
18	सलिहा जलाऊ	88	चट्टा	0	चट्टा	88	चट्टा
	योग (जलाऊ)	2333	चट्टा	0	चट्टा	2333	चट्टा
19	व्यापारिक बांस (नग)	0	नग	0	नग	0	नग
		0.000	नो.टन	0.000	नो.टन	0.000	नो.टन
20	औद्योगिक बांस (बण्डल)	426	बण्डल	0.00	बण्डल	426	बण्डल
		3.899	नो. टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन
	योग (बांस)	3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन

जी-262702716/2
वनमण्डलाधिकारी, कटघोरा वनमण्डल कटघोरा

सत्ता वाले राज्यों में लाठी-गोली पर राहुल गांधी मौन और भाजपा शासित राज्यों में राजनीति तेज- मधुसूदन यादव

छात्रों के मुद्दे पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागर

राजनांदगांव (दावा)। पूर्व सांसद एवं वर्तमान महापौर मधुसूदन यादव ने छात्रों के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी के कथित दोहरे राजनीतिक चरित्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के लिए छात्रों का दर्द मुद्दा नहीं, बल्कि भाजपा के खिलाफ राजनीति चमकाने का अवसर है। श्री यादव ने दावा किया है कि जब झारखंड जैसे गैर-भाजपा शासित राज्य में लोक सेवा आयोग की परीक्षा को लेकर छात्र सड़कों पर उतरते हैं और पुलिस कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं, तब राहुल गांधी और कांग्रेस के बड़े नेता मौन साध लेते हैं। लेकिन भाजपा शासित राज्यों में छात्र आंदोलन या परीक्षा से जुड़ा कोई विवाद सामने आते ही राहुल गांधी को संविधान, लोकतंत्र और युवाओं का भविष्य याद आने लगता है। महापौर ने इसे कांग्रेस का ''सुविधा के अनुसार विरोध और सुविधा के अनुसार मौन'' वाला दोहरा राजनीतिक चरित्र निरूपित किया है। श्री यादव ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की सब इंस्पेक्टर परीक्षा के परिणाम को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी अभ्यर्थी का नाम असामान्य, अलग या

मजेदार लगना परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी का प्रमाण नहीं हो सकता। नाम देखकर चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाना हजारों मेहनती अभ्यर्थियों का अपमान है। यदि कांग्रेस के पास अनियमितता के ठोस तथ्य हैं तो वह प्रमाण सामने रखे, केवल नामों को आधार बनाकर युवाओं की मेहनत और संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाना राजनीतिक बचकानापन है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा है कि क्या वह परीक्षा परिणाम में चयनित अभ्यर्थियों की योग्यता और मेहनत को केवल उनके नाम के आधार पर संदिग्ध मानती है? अगर किसी को परिणाम पर आपत्ति है तो वैधानिक प्रक्रिया है, जांच की व्यवस्था है, न्यायालय का रास्ता खुला है, लेकिन सोशल मीडिया और राजनीतिक बयानबाजी के जरिए युवाओं के भविष्य को कठघरे में खड़ा क्या आन्याय नहीं है ? श्री यादव ने नीट अभ्यर्थियों के मुद्दे पर राहुल गांधी के बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार से जुड़े विषय आते हैं तो राहुल गांधी छात्र हितैषी बनने का दावा करते हैं और सरकार पर हमले करते हैं, लेकिन कांग्रेस शासित अथवा गैर-भाजपा राज्यों में छात्रों के साथ पुलिस कार्रवाई के मामलों पर उनकी बोलती क्यों बंद हो जाती है ? उन्होंने कहा, ÷राहुल गांधी को देश के छात्रों से माफी मांगनी चाहिए कि उनके लिए छात्र हित का पैमाना राजनीतिक दल देखकर क्यों बदल जाता है। भाजपा शासित राज्य में लाठी चले तो राहुल गांधी सड़क पर उतरते हैं और गैर-भाजपा राज्य में वही सवाल उठे तो उनकी जुबान पर ताला लग जाता है।÷ पूर्व सांसद ने कहा कि देश का युवा अब कांग्रेस की इस राजनीति को समझ चुका है। छात्रों के भविष्य पर राजनीति नहीं, पारदर्शिता और निष्पक्षता चाहिए। परीक्षा में वास्तविक गड़बड़ी हो तो जांच होनी चाहिए और दोषी पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन केवल राजनैतिक रोटियॉ सेकने के लिए हर परीक्षा परिणाम को विवादित बनाना युवाओं के साथ अन्याय है।

श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने शासन वाले राज्यों में छात्रों के प्रति अपने व्यवहार का हिसाब देना चाहिए और उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं भाजपा सरकारों से सवाल पूछने चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति का फार्मूला साफ है, भाजपा शासित राज्य में लाठी चले तो लोकतंत्र खतरे में, अपने सहयोगी या गैर-भाजपा राज्य में छात्र सड़क पर आएं तो मौन। भाजपा सरकार में परीक्षा हो तो सवाल, कांग्रेस के प्रभाव वाले राज्यों में परीक्षा हो तो खामोशी। यह छात्र हित नहीं, शुद्ध राजनीतिक पाखंड है। श्री यादव ने कहा कि वास्तव में कांग्रेस की राजनीति में छात्र तब तक 'युवा शक्ति' हैं, जब तक उनसे भाजपा के खिलाफ राजनीतिक फायदा मिल रहा है; वरना वही छात्र कांग्रेस की नजर में सिर्फ आंकड़ा बन जाते हैं। देश का युवा सब देख रहा है और समय आने पर कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र का जवाब भी देगा।

जन्मदिन को सेवा से जोड़ने की अनूठी पहल, 1 से 25 अगस्त तक आयोजित होगा 'सेवा महोत्सव'

महापौर मधुसूदन यादव के जन्मदिन पर छात्र युवा मंच का अनूठा अभियान, ठाकुर प्यारेलाल स्कूल में रक्त जांच शिविर का आयोजन, उपस्थित रहे महापौर मधुसूदन यादव

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव के जन्मदिन के अवसर पर छात्र युवा मंच द्वारा 1 अगस्त से 25 अगस्त तक ÷सेवा महोत्सव÷ का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जन्मदिन को केवल उत्सव के रूप में मनाने के बजाय लोगों को सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक सरोकार से जुड़ने का संदेश दिया जा रहा है।

जिसमे शहर के समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों मे रक्तसमूह, हीमोग्लोबिन व सिकलसेल जाँच शिविर का आयोजन किया जायेगा, साथ ही %%राजनांदगाव बनेगा रक्तवीरो का शहर÷ थीम से 15 अगस्त ग्राम विष्णुपुर, 23 अगस्त महापौर कार्यालय सिविल लाइन एवं 25 अगस्त ग्राम नांगलदाह मे रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा । इसी क्रम में आज शहर के ठाकुर प्यारेलाल स्कूल में रक्तसमूह, हीमोग्लोबिन एवं सिकलसेल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाया और शिविर का लाभ लिया। विद्यार्थियों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की इस पहल को और प्रोत्साहित करने के लिए महापौर मधुसूदन यादव स्वयं शिविर में पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा छात्र युवा मंच द्वारा किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना की। महापौर ने कहा कि जन्मदिन को सेवा और समाजहित से जोड़ना एक सकारात्मक एवं प्रेरणादायी पहल है। युवाओं द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज के लिए उपयोगी हैं। छात्र युवा मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि 'सेवा महोत्सव' 1 अगस्त से 25 अगस्त तक विभिन्न सेवा एवं जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ना तथा समाज में स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं तथा छात्र युवा मंच के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पहला कॉलम...

नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

राजनांदगांव (दावा)। नाबालिग को शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाने और उसे गर्भवती करने के गंभीर मामले में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो) राजनांदगांव के माननीय न्यायाधीश अनिल कुमार बारा ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

प्रकरण में छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से पैरवी करने वाली विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) सुश्री प्रिया कांकरिया ने बताया कि अभियुक्त विक्की राजपूत और अनुसूचित जाति वर्ग की पीड़िता एक ही गांव के निवासी हैं। अभियुक्त विक्की राजपूत ने नाबालिग को शादी का प्रलोभन देकर अगस्त 2021 से लगातार एक वर्ष तक उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया, जिसके परिणामस्वरूप पीड़िता गर्भवती हो गई। पीड़िता के शरीर में परिवर्तन देखने पर जब उसकी माता ने पूछताछ की, तब घटना का खुलासा हुआ। पीड़िता ने बताया कि अभियुक्त उसे शादी का झांसा देकर अपने या पड़ोसी के घर बुलाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाता था और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। मामले में पीड़ीता की माता की रिपोर्ट पर पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़, थाना लालबाग द्वारा अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। विवेचना पूर्ण होने के बाद पुलिस ने भारतीय दंड विधान, पॉक्सो एक्ट एवं एट्रोसिटी एक्ट के तहत अभियोग पत्र विशेष न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया था।

प्रकरण के संपूर्ण विचारण उपरांत 10 अगस्त 2026 को न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए अभियुक्त विक्की राजपूत को धारा 376(3) भादंवि के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,000 रुपये का अर्थदंड (अदा न करने पर 1 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10,000 रुपये के अर्थदंड (अदा न करने पर 6 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास) की सजा से दंडित किया है।

मनकी में गंधर्व समाज की बैठक 15 को

राजनांदगांव (दावा)। गंधर्व समाज क्षेत्र राजनांदगांव की एक महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक शनिवार, 15 अगस्त 2026 को ग्राम मनकी स्थित शहीद द्वारिका प्रसाद गंधर्व सामाजिक भवन में आयोजित की गई है। क्षेत्रीय अध्यक्ष भावगत देवदास द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रातः 7 बजे समाज प्रमुखों द्वारा सामाजिक भवन परिसर में ध्वजारोहण किया जाएगा। तत्पश्चात शहीद द्वारिका प्रसाद गंधर्व के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें सलामी दी जाएगी और श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक गंधर्व समाज राजनांदगांव क्षेत्र की आम बैठक संपन्न होगी। बैठक में समाज के विकास, भावी योजनाओं और संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। क्षेत्रीय अध्यक्ष भावगत देवदास ने राजनांदगांव क्षेत्र के समस्त सामाजिक भाईयों, बहनों तथा गणमान्य पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पुणे राष्ट्रीय ट्रायथलॉन प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ दल रवाना,आईजी-एसपी ने दी शुभकामनाएं

राजनांदगांव (दावा)। इंडियन ट्रायथलॉन फेडरेशन द्वारा 14 से 16 अगस्त 2026 तक पुणे (महाराष्ट्र) के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने वाली 'राष्ट्रीय ट्रायथलॉन प्रतियोगिता-2026' में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने जा रहे राज्य स्तरीय दल को राजनांदगांव पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। इस प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर, अंडर-23 एवं सीनियर (महिला एवं पुरुष) वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

आरक्षक कामता प्रसाद यादव संभाल रहे कोचिंग की कमान

छत्तीसगढ़ ट्रायथलॉन दल का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन राजनांदगांव पुलिस के आरक्षक व ट्रायथलॉन कोच कामता प्रसाद यादव कर रहे हैं। गौरतलब है कि इस राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए 19 जुलाई 2026 को राजनांदगांव में एक चयन प्रक्रिया आयोजित की गई थी, जिसके माध्यम से राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन कर दल तैयार किया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बढ़ाया हौसला

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पुणे रवाना होने से पूर्व 10 अगस्त 2026 को पुलिस महानिरीक्षक (राजनांदगांव रेंज) अजय कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने खिलाड़ीयों तथा कोच कामता प्रसाद यादव से विशेष मुलाकात की। अधिकारियों ने खिलाड़ीयों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ का यह दल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर राज्य और राजनांदगांव पुलिस विभाग का नाम पूरे देश में रोशन करेगा। राजनांदगांव पुलिस परिवार ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ीयों और उनके कोच को प्रतियोगिता में ऐतिहासिक सफलता और उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर बलात्संग करने वाला आरोपी उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार

नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले गया आरोपी

डोंगरगांव (दावा)। नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर बालात्संग करने वाले आरोपी पतासाजी के बाद उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर न्यायीक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है. डोंगरगांव पुलिस ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्राथिंयां द्वारा थाना डोंगरगांव उपस्थित होकर जुबानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी नाबालिग पुत्री दिनांक 08 अप्रैल 2026 को दोपहर लगभग 2 बजे घर से होटल में नाश्ता लेने जाने की बात कहकर निकली थी, जो वापस घर नहीं आई. प्रार्थिया द्वारा आसपास के गांवों, रिश्तेदारों एवं सहेलियों से पूछताछ कर युवती की तलाश की गई, किंतु उसका कोई पता नहीं चल सका. प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना डोंगरगांव में धारा 137(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया. थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा प्रकरण में नाबालिग बालिका की लगातार पतासाजी की जा रही थी.

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में

पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश एवं नाबालिग बालिका की बरामदगी हेतु लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश रवाना किया गया. विवेचना के दौरान नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले आरोपी मोहित कुमार गौतम पिता राधेश्याम गौतम, उम्र 23 वर्ष, निवासी निहालपुरवा, उत्तरप्रदेश की तलाश की गई. पुलिस टीम द्वारा 09 अगस्त 2026 को ग्राम-नेहालीपुरवा, थाना-फूलबेहड़, जिला-लखीमपुर उत्तर प्रदेश में आरोपी की पतासाजी कर नाबालिग बालिका को बरामद किया गया तथा आरोपी को अपराध कबूल करने पर गिरफ्तार किया गया. पूछताछ एवं विवेचना में आरोपी के विरुद्ध अपराध घटित करना पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया.

भाजपा के लिए मैंने अपने जीवन का अमूल्य समय कुर्बान कर दिया, लेकिन पाया क्या ? निष्कासन- अनिल पांडे

डोंगरगढ़ (दावा)। भाजपा से इस्तीफा देने वाले 70 प्रतिशत नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने का दावा करने वाले अनिल पांडे को भी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है। फेसबुक में वायरल किए गए वीडियो में अनिल पांडे ने दावा किया है कि स्थानीय संगठन से नाराज चल रहे कार्यकर्ताओं को मनाने का कार्य वे स्थानीय संगठन के साथ मिलकर कर रहे थे। इस बीच भाजपा जिलाध्यक्ष कमल सिंह राजपूत के डोंगरगढ़ प्रवास के दौरान वे तीन घंटे उनके साथ रहे। भाजपा से निष्कासित किए गए ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अनिल पांडे ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, ÷भाजपा के लिए मैंने अपने जीवन के 27 वर्षों का अमूल्य समय कुर्बान कर दिया, लेकिन पाया क्या? निष्कासन। भाजपा संगठन द्वारा मुझ पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। मैंने कभी भी राज्य सरकार व वरिष्ठ भाजपा नेताओं का सार्वजनिक विरोध नहीं किया है। निष्कासन के पूर्व मुझे नोटिस देना तक जरूरी नहीं समझा गया। निष्कासन पत्र भी मुझे सोशल मीडिया के माध्यम से मिला। ऐसी प्रक्रिया सिर्फ हिटलरशाही राज में देखी जा सकती है। प्रदेश संगठन की ओर से अनिल पांडे को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि विभिन्न मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन, राज्य शासन एवं वरिष्ठ नेताओं-कार्यकर्ताओं के खिलाफ लगातार

विरोधात्मक टिप्पणियां व पोस्ट की जा रही थीं, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हो रही थी। यह मामला पार्टी अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई की अनुशंसा तथा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशानुसार उन्हें तत्काल प्रभाव से 6 वर्षों के लिए निष्कासित किया गया है।

स्थानीय संगठन एवं नेताओं के मध्य चल रहे राजनीतिक द्वंद्व के चलते अनिल पांडे सहित अन्य चार कार्यकर्ताओं को निष्कासित कर स्थानीय भाजपा संगठन को भंग कर दिया गया है। अब देखना है कि सैकड़ों की संख्या में समर्थकों का दंभ भरने वाले निष्कासित नेताओं को बचाने असंतुष्ट कार्यकर्ता कब मैदान में उतरते हैं। 7 जुलाई को वायरल पत्र में अनिल पांडे ने कहा, जब मैंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी, तब आंखों में चमक और दिल में जुनून था। लगता था कि हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के लिए काम कर रहा हूं। युवा मोर्चा और मंडल के पदों पर रहते हुए दिए गए हर काम को तन्मयता से पूरा किया, लेकिन मौकापरस्त लोग ठेके और पदों की लड़ाई में उलझे रहे। मंडल या जिला में पद उसे मिला जो चरण वंदना में लगा रहा, जबकि मैं संगठन की विचारधारा मजबूत करता रहा।

उन्होंने आगे कहा, सत्ता के साथ पार्टी में कर्म व विचार गौण हो गए हैं और व्यक्ति पूजा मुख्य हो गई है। सोशल मीडिया पर गलत कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने पर अनुशासनहीनता का ठप्पा लगा दिया जाता है। 26 साल की तपस्या, जवानी, पैसा और परिवार दांव पर लगाने के बाद पाया कि मौकापरस्त आगे बढ़ गए और मैं वहीं खड़ा रहा। 2025 में वार्ड 3 से पार्षद का टिकट देने के लिए पार्टी का आभारी रहूंगा। अलविदा भाजपा।

प्रधानमंत्री आवास का निर्माण निजी भूमि के स्थान पर सरकारी भूमि पर

डोंगरगढ़ (दावा)। शहर के वार्ड क्रमांक 21 में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर लगाए गए आरोपों के अनुसार, जीजाबाई पति वासुदेव कुरसुंगी के नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। किंतु जिस स्थान पर आवास का निर्माण किया जा रहा है, वह कथित रूप से उनके नाम दर्ज पट्टे की भूमि से अलग शासकीय भूमि है। मामले ने योजना के क्रियान्वयन और स्थल सत्यापन की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार हितग्राही के नाम जिस भूमि का पट्टा दर्ज है, प्रधानमंत्री आवास योजना के

तहत निर्माण उसके बजाय दूसरी जगह कराया जा रहा है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह योजना के नियमों के तहत भूमि एवं निर्माण स्थल के सत्यापन की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि आवास निर्माण शुरू होने से पहले संबंधित विभाग द्वारा मौके का भौतिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों का मिलान किया जाना चाहिए था। ऐसे में बिना पर्याप्त स्थल सत्यापन के योजना की राशि जारी किए जाने की प्रक्रिया की जांच की मांग उठ रही है। मामले में नगर पालिका के संबंधित तकनीकी अमले की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि निर्माण स्थल की आवश्यक फोटोग्राफी एवं स्थल सत्यापन की प्रक्रिया पूरी किए बिना प्रधानमंत्री आवास की पहली किस्त स्वीकृत कर दी गई।यदि ऐसा हुआ है तो यह जांच का विषय है कि किस आधार पर पहली किस्त जारी की गई और संबंधित अधिकारी या कर्मचारी द्वारा स्थल का सत्यापन किस प्रकार किया गया।

'मारपीट हमारे साथी से, एफआईआर भी उसी पर!' अर्जुन वर्मा के समर्थन में उतरा अधिवक्ता संघ

कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दी आंदोलन की चेतावनी

खैरागढ़ (दावा)। वरिष्ठ अधिवक्ता अर्जुन वर्मा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर जिला अधिवक्ता संघ खैरागढ़ ने मोर्चा खोल दिया है। संघ के अध्यक्ष सुरेश ठाकुर और सचिव संदीप दास वैष्णव की अगुवाई में बड़ी संख्या में अधिवक्ता मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ता अर्जुन वर्मा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को तत्काल रद्द करने की मांग की। संघ ने चेतावनी दी है, कि यदि एफआईआर निरस्त नहीं की गई तो अधिवक्ता आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। संघ ने मामले को लेकर छत्तीसगढ़ अधिवक्ता परिषद को भी ज्ञापन सौंपने की बात कही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ मारपीट और अश्लील गाली-गलौज की गई - अधिवक्ता संघ

अधिवक्ता संघ ने अपने ज्ञापन में कहा है कि वरिष्ठतम सदस्य अर्जुन वर्मा के साथ कमलेश कोठले द्वारा कथित रूप से मारपीट और अश्लील गाली-गलौच की गई, जिसकी शिकायत थाना खैरागढ़ में दर्ज कराई गई है। संघ ने पुलिस से अर्जुन वर्मा की रिपोर्ट के आधार पर कमलेश कोठले के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोपी के पूर्व आपराधिक इतिहास और जेल में निरुद्ध रहने का भी उल्लेख करते हुए उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

झूठी शिकायत के आधार पर अधिवक्ता पर कार्रवाई मंजूर नहीं'- संघ

संघ का आरोप है,कि कमलेश कोठले ने अपने बचाव में अधिवक्ता अर्जुन वर्मा के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई है। संघ के अनुसार, अर्जुन वर्मा व्यवहार न्यायाधीश खैरागढ़ के आदेश पर शासकीय भूमि के सीमांकन के दौरान मौके पर मौजूद थे। वे संबंधित प्रकरण में अधिवक्ता होने के नाते वहां पहुंचे थे। संघ का दावा है,कि कमलेश कोठले संबंधित प्रकरण का पक्षकार नहीं है और उसकी ओर से यह प्रचार किया जा रहा है, कि अधिवक्ता उसकी निजी जमीन की नाप कराने पहुंचे थे।

अधिवक्ता संघ ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की

अर्जुन वर्मा के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने तथा कमलेश कोठले के खिलाफ अर्जुन वर्मा की शिकायत पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

अहंकार और अंधकार को दूर करता है ज्ञान - समयप्रभ जी

अपनापन दर्द को काफी दूर कर देता है

राजनांदगांव (दावा)। परमपूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.,खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य समयप्रभ सागर जी ने कहा कि अहंकार और अंधकार को दूर करता है ज्ञान और ज्ञान हमारे ग्रंथो में है जिसे आत्मसात करें तो आत्म कल्याण अवश्य होगा। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने कहा कि अहंकार व्यक्ति का पतन कर देता है। अहंकार का त्याग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कब कैसे पापों का उदय हो जाए किसी को पता नहीं चलता। अहंकार हमें अंधकार की ओर ले जाता है और हमारी सोच समझ को खत्म कर देता है। मुनि श्री ने कहा कि आप कृतज्ञ बनो, कृतघ्न मत बनो। कृतज्ञ व्यक्ति अपने माता-पिता के पालन पोषण का आभार व्यक्त करता है और उनका सम्मान करता है, जबकि कृतघ्न व्यक्ति आभार नहीं मानता। अहंकारी व्यक्ति हमेशा कृतघ्न होता है। मां-बाप को वृद्ध आश्रम में छोड़ने वाले व्यक्ति इसी श्रेणी में आते हैं। अपनों से दूर होना काफी दर्द पहुंचाता है। अपनापन दर्द को काफी कम कर देता है। उन्होंने कहा कि हम बच्चों में विनय की शिक्षा डालते ही कब हैं और जब हम विनय की शिक्षा ही नहीं डाले तो फिर बच्चों के विनयशील बनने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं! मुनि श्री समयप्रभ जी ने कहा कि हमारी पीढ़ी तो ठीक है किंतु उनके आगे की पीढ़ी का क्या होगा? गलती हमारी ही है कि हमने अपने बच्चों के लिए समय नहीं निकाला। उन्होंने कहा कि गलत रास्ते पर होना बुरा नहीं है परंतु उसमें टिके रहना गलत है। पहली सीढ़ी चढ़ोगे तब ही दूसरी सीढ़ी चढ़ पाओगे। हम इन ग्रंथो के जरिए भी आत्मावस्था को प्राप्त कर सकते हैं। हर जगह सूर्य और चंद्रमा का प्रकाश नहीं पहुंच सकता किंतु दीपक का प्रकाश हर जगह पहुंचाया जा सकता है। ठीक इसी प्रकार हमारे ग्रंथ दीप के समान है जिनके माध्यम से हम ज्ञान को और परमात्मा को प्राप्त कर सकते हैं। हम ग्रंथों को आत्मसात करें तो बहुत कुछ प्राप्त कर सकते हैं। लचीलापन बनाए रखने के लिए ज्ञान आवश्यक है। ज्ञान का सदुपयोग भी हो सकता है और दुरुपयोग भी, इसका हमें किस तरह उपयोग करना है, यह हम पर ही निर्भर है।

अनमोल दावा

> धैर्य एक ऐसा वाहन है जो अपने सवार को कभी गिरने नहीं देता।

छात्र हित की अनदेखी

यदि झारखंड सरकार छात्रों का भरोसा हासिल नहीं कर सकी तो इसके लिए वही जिम्मेदार है। वह इसके लिए भी जिम्मेदार है कि छात्रों के आंदोलन को लेकर दलगत राजनीति शुरू हो गई और पुलिस बल प्रयोग भी एक मुद्दा बन गया। जब किसी समस्या-शिकायत पर समय रहते सही तरह ध्यान नहीं दिया जाता, तब उसके कैसे नतीजे होते हैं, यह पहले दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान देखने को मिला और फिर रांची में छात्रों के विधानसभा मार्च में। दिल्ली की तरह रांची में पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा, क्योंकि भीड़ पुलिस बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ रही थी।

नि:संदेह रांची में छात्रों की भीड़ की तुलना जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में जुटी भीड़ से नहीं की जा सकती, क्योंकि दिल्ली में भीड़ में कुछ अराजक तत्व भी शामिल थे। इसके बावजूद इस तथ्य को भी अनदेखा न किया जाए कि पुलिस के पास उस समय बल प्रयोग के अलावा और कोई चारा नहीं रहता, जब कोई समूह किसी निषिद्ध क्षेत्र में जाने की जबरन कोशिश करता है।

समस्या यह है कि जब तक कोई आंदोलनरत समूह शांतिपूर्ण रहता है, तब तक सरकारें उसकी परवाह नहीं करतीं। दिल्ली में संसद मार्च और रांची में विधानसभा के घेराव की नौबत नहीं आती, यदि दोनों जगह सरकारें समय पर सक्रियता और संवेदनशीलता दिखातीं।

रांची में राज्य सरकार की ओर से आयोजित परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर झारखंड के छात्र 15 दिनों से अधिक समय से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकार तब चेती, जब उसे लगा कि आक्रोशित छात्रों की संख्या बढ़ती जा रही है और वे अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं है। उसने छात्रों के दबाव में उनके प्रतिनिधियों से वार्ता करके यह दावा किया कि उनकी 98 प्रतिशत मांगें मान ली गई हैं, लेकिन छात्र इस दावे को नकार रहे हैं, क्योंकि परीक्षाओं में धांधली की सीबीआइ जांच की उनकी मांग नहीं मानी गई। समझना कठिन है कि जब राज्य सरकार परीक्षाओं में धांधली की जांच कर ही रही है और प्रथमदृष्ट्या यह सिद्ध हो गया है कि परीक्षाओं में अनियमितता हुई, तब फिर उसे इसकी जांच सीबीआइ से कराने में क्या हर्ज है?

यदि केंद्र सरकार कांकरोच जनता पार्टी के दबाव में शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र ले सकती है, तो झारखंड सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी की सीबीआइ जांच की तार्किक मांग मानने से क्यों इन्कार कर रही है? पता नहीं क्यों सरकारें यह समझने के लिए आसानी से तैयार नहीं होतीं कि जायज मांगों के प्रति केवल संवेदनशील दिखना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि कुछ ठोस कदम भी उठाने पड़ते हैं।

इससे ही आक्रोश शांत होता है और पीड़ित लोगों में न्याय मिलने का भरोसा पैदा होता है। यदि झारखंड सरकार छात्रों का भरोसा हासिल नहीं कर सकी तो इसके लिए वही जिम्मेदार है। वह इसके लिए भी जिम्मेदार है कि छात्रों के आंदोलन को लेकर दलगत राजनीति शुरू हो गई और पुलिस बल प्रयोग भी एक मुद्दा बन गया।

छत्तीसगढ़ का लोक-पर्व हरेली तिहार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक-त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव-जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है – हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या (हरियाली अमावस्या) को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण-प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं।

छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहाँ लोक जीवन में हंसी-खुशी के अवसर उपलब्ध कराती हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और इसका अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप-सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है।

शायद 'हरेली' का हरापन हमारी परंपराओं में हमारे संस्कारों में और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहे ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी-सोंधी महक हमारे लोक गीतो से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे।

हरेली शब्द का अर्थ और महत्व

'हरेली' शब्द 'हरियाली' से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ़ खेतों और मैदानों में हरी-भरी फसलें और हरियाली लहलहाने लगती है, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक-पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है।

कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा

हरेली का दिन मुख्य रूप से कृषकों और कृषि से जुड़े साधनों का धन्यवाद ज्ञापित करने का दिन है :

कृषि यंत्रों की पूजा :- हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह एक उत्सव होने के साथ-साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है, लोगों के लिए प्रकृति, बारिश और अपने कृषि कार्य को सम्पन्न करने के बाद किसान अपने औजार, हल, फावड़ा, कुदाल, कुदाली, कुम्हड़ी, बिन्धना, बसुला, हथौड़ी, आरी,असिया, पैसुल, छूरा, खुर्पी आदि को धोकर स्वच्छ मिट्टी (मुरमी) का आसन से सजाकर किसान-किसानिन पूजा सामग्री रखकर धुले हुए चांवल आटे से हाथा लगाकर चन्दन, फूल, धुप-दीप व चीला रोटी से भोग लगाकर श्रीफल अर्पित करते हैं एवं भाव विभोर हो प्रार्थना करते हैं - च्हे बलराम रूपी हल प्रचण्ड शक्ति के प्रतीक धारापति, आपने कंधा के रूप में माता को संवारा एवं सेवा करने में हमारी सहायता की कृषि कार्य बोनी ब्यासी रोपा के होते ही चहूओर हरियाली छाई इसके लिए कोटिशः धन्यवाद आपका कार्य सम्पन्न हुआ विश्राम करे। हमने आपको बड़ा कष्ट दिया, काम लिया, हमें क्षमा करें। आपकी दया हम पर सदैव बनी रहे, इसी प्रकार अन्य औजारों का कार्यानुसार निवेदन करते गेड़ी की पूजा कर शरीर के सामर्थ पैरो की रक्षा की कामना करते हैं।

पशुधन का सत्कार : पशुधन किसानों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में किसान मिश्रित कृषि प्रणाली अपनाते हैं, जिसमें फसल और पशुधन का संयोजन होता है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोग कम पढ़े-लिखे और अकुशल होने के कारण अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। बैल छत्तीसगढ़ कृषि की रीढ़ हैं। किसान, विशेषकर सीमांत और लघु किसान, जुताई, ढुलाई और उत्पादन और इनपुट दोनों के परिवहन के लिए बैलों पर निर्भर रहते हैं।

खेती-किसानी के सच्चे साथी यानी गाय और बैलों की विशेष सेवा की जाती है। उन्हें नहला-धुलाकर आरती उतारी जाती है तथा गहूंता (आटा, नमक और जड़ी-बूटी से बना पौष्टिक मिश्रण) खिलाया जाता है, ताकि वे रोगों से मुक्त रहें। जड़ी बुटियों से तैयार औषधि को गौठान में ले जाकर अन्डी एवं खम्हार के पत्तों में नमक, चावल या गेहूँ के गोला के साथ दवा डाल कर पशुओं को खिलाया जाता है। अरण्ड, खम्हार का पत्ता औषधि है, जो वायुजनित रोगों को दूर करता है। नमक उत्प्रेक्षण का कार्य करता है, चावल या गेहूँ के कारण दवा अधिक असरकारक बन जाती है। इससे पशु धन निरोग हो जाता है यह एक प्रकार टीकाकरण ही है।

परंपराएं एवं रीति-रिवाज

गेड़ी चढ़ने का आनंद :- इस पर्व में गेंड़ी का काफी महत्व है बांस के मोटे डंडो एवं बांस के पहुये को विशेष विधि से कस कर बांधा जाता है। गेड़ी का उदारण हमें पुराणों में मिलता है। बलदाऊ-कृष्ण अपने सखाओं के साथ गेड़ी चढ़ा करते थे। कृष्ण लीला प्रसंग में इसका उदाहरण मिलता है तथा खेलों का आयोजन भी होते रहे हैं, जिसमें गेड़ी दौड़, पानी पिलाना, एक पैर में खड़े होना, एक पैर में कूदना आदि अनेक खेल का आयोजन प्राचीन काल से अब तक होते आ रहे हैं। बारिश के मौसम में कीचड़ और पानी से भरे रास्तों पर चलने के साधन के रूप में शुरू हुई यह परंपरा आज एक मनोरंजक खेल बन चुकी है।

विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन : -हरेली में गाँव व शहरों में नारियल फेंक प्रतियोगिता भी होती है। सुबह पूजा-अर्चना के बाद गाँव के चौक-चौराहों पर युवाओं की टोली जुटती है और नारियल फेंक प्रतियोगिता का आयोजन की जाती है। नारियल हारने और जीतने का यह सिलसिला देर रात तक चलता है। गाँव-गाँव में गेड़ी दौड़ का आयोजन होता है। कहीं खो-खो तो कहीं फुगड़ी, कहीं बिल्लस, कहीं अत्ती-पत्ती, डंडा पचरंगा खेल का आयोजन होते आ रहे हैं। गाँव का गौठान हो या स्कूल का मैदान, गाँव के बाहर सड़क हो या चौबट्टा लगता है सारे लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सजे रहते हैं।

टोटका और सुरक्षा का विधान :- मान्यतानुसार, इस दिन गाँव को बुरी नज़र और रोगों से बचाने के लिए घर के मुख्य दरवाजों पर नीम की पत्तियाँ बांधी जाती हैं। लोहार द्वारा घरों के चौखट पर नीम की शाखाएं और लोहे की कीलें लगाई जाती हैं। स्थानीय मान्यता है कि इससे घर को बुरी शक्तियों और बीमारियों से सुरक्षा मिलती है। यह प्रथा नीम के ज्ञात औषधीय गुणों और ग्रामीण स्वास्थ्य संबंधी पारंपरिक मान्यताओं में इसकी भूमिका से प्रेरित है।

हरेली तिहार में बनाए जाने वाले ब्यंजन :- मुख्य रूप से गुड़ के चीला, अईरसा, चौसेला और बोबरा जैसे पारंपरिक पकवान बनाए और बांटे जाते हैं। गुलगुला भजिया, गुड़हा चीला, सोहारी, बड़ा, ठेठरी, खुरमी और बोबरा जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान बनाए जाते हैं। इन व्यंजनों का भोग कृषि औजारों और गोधन को लगाया जाता है। इस दिन छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का विशेष आनंद लिया जाता है।

संयुक्त संचालक, जनसंपर्क

जीव-जंतुओं की पीड़ा हरता है हरेली

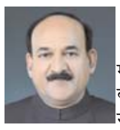

विजय मिश्रा 'अमित'

श्रावण मास अत्यंत मनभावन होता है। वृक्ष-वनस्पति, जीव-जंतु, सभी के सभी इस मास में हर्षोल्लास में डूबे झूमते, नाचते और गाते हैं। ऐसे ही मनभावन मास में छत्तीसगढ़ का प्रथम त्योहार हरेली आता है। श्रावण मास की अमावस्या के दिन हरेली मनाते हुए छत्तीसगढ़ के रहवासी अपने खेत-खलिहान, गाय-बैल और घर-द्वार की समृद्धि के लिए मन्नत मांगते हैं। इन अर्थों में हरेली एक लोक-हितैषी पर्व है। प्राचीन काल में अत्यंत धूमधाम से इसे मनाने का चलन था। बदलते समय और नए युग के रंग में रंगता समाज इसे भूलता जा रहा है। हरेली त्योहार को बेरंग होते देखकर छत्तीसगढ़ के प्रबुद्धजनो यह चिंता घुन की तरह खाने लगी। सवाल उठने लगा क्या छत्तीसगढ़ राज्य के तीज-त्योहार लुप्त हो जाएंगे?

इस भय के पीछे एक बहुत बड़ा कारण यह भी था कि गांवों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने शहरों की ओर जाने लगे। शहरों का संपूर्ण शहरीपन गांवों की पक्की सड़कों से होता हुआ गाँव-गाँव में पैर पसारने लगा। जिससे छत्तीसगढ़ के तीज-त्योहार, खान-पान, नदी-नाले, कंद-मूल, और पारंपरिक खेल-खिलौनों की पूछ-परख (महत्व) कम होने लगी। गांवों के बच्चे अपने मूल रीति-रिवाजों को भूलने लगे।

गाँवों का शहरों की भाँति गांव का विकसित होना एक श्रेष्ठ बदलाव कहा जा सकता है, परंतु परिवर्तन के इस बवंडर में तीज-त्योहारों और सांस्कृतिक परंपराओं का विनाश हो जाना छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ी के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता। क्योंकि- जिस गाँव में वर्षा नहीं होती, वहाँ की फसलें नष्ट हो जाती है, और जहां तीज-त्योहारों का मान नहीं होता, वहाँ की नस्ले खराब भ्रष्ट हो जाती हैं। इस मर्म को समझते हुए छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार हरेली, कमरछठ (हलषष्ठी), तीजा और विश्व आदिवासी दिवस पर शासकीय अवकाश देने की शुरुआत हुई। इस इस निर्णय ने शाश्वत सत्य को पुनः रेखांकित कर दिया कि- जीवन की किताबों पर बेशक नया कवर चढ़ाइए, पर बिखरे पन्नों को पहले प्यार से चिपकाइए। हरेली त्योहार नई पीढ़ी को गाँवों से जुड़ने, गेड़ी चढ़ने, बैलगाड़ी की दौड़ देखने, नारियल-फेंक प्रतियोगिता में भाग लेने और फुगड़ी, बिल्लस, कंचा (बांटी) एवं लट्टू (भौरा) जैसे पारंपरिक खेलों को जानने का स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है। इसके साथ ही, उन्हें गुड़ का चीला, ठेठरी और खुरमी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का रसास्वादन भी कराता है।

हरेली में पशुओं को खिलाते हैं औषधीय पिंडी

हरेली पर कृषि उपकरणों–जैसे हल, फावड़ा (रांपा), कुल्हाड़ी (टंगिया), कुदाली, हंसिया, गैंती, रापली और सबरी आदि की पूजा-अर्चना की जाती है गाय बैलों को निरोगी रखने के लिए नमक के साथ औषधीय गुणों से भरपूर भेलवा (दहला) वृक्ष की पत्तियों की 'लौंदी' (औषधीय पिंडी) बनाकर खिलाई जाती है।

चौखट पर लगाते हैं नीम की पत्तियां

हरेली के दिन प्रत्येक घर के मुख्य द्वार पर नीम की पत्तियाँ लगाई जाती हैं, क्योंकि वर्षा ऋतु में विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ जन्म लेती हैं; ऐसी बीमारियों के संक्रामक कीटाणुओं को नष्ट करने की अद्भुत क्षमता नीम पत्तियों में होती है। मनुष्यों के भीतर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी यह बढ़ाती हैं।

दरवाजे –चौखट पर ठोकते हैं लोहे की कील

त्योहार के दिन घर के मुख्य द्वार पर लोहारों द्वारा लोहे की कील ठोंकी जाती है। इसके पीछे यह वैज्ञानिक रहस्य छिपा है कि वर्षा ऋतु में जब गर्जना करती हुई आकाशीय बिजली पृथ्वी की ओर गिरती है, तब लोहे से बनी वस्तुएँ उस विद्युत तरंग को अपनी ओर आकर्षित (भू-संपर्कित या अर्थिंग) कर लेती हैं। इससे वज्रपात (बिजली गिरने) का संकट टल जाता है। अब तो घर-घर में लोहे की खिड़कियाँ और दरवाजे बनने लगे हैं, अतः यह प्रथा समाप्त हो चली है। छत्तीसगढ़ की प्रकृति और संस्कृति को पुनर्जीवित व संरक्षित करने का कार्य हरेली पर्व करता है। गाँवों से विमुख होते बच्चों को पुनः अपनी माटी और संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा देता है। बांस निर्मित गेंड़ी पर चढ़कर वर्षा ऋतु के कीचड़ से गुजरने का प्रशिक्षण देता है। सावन झूला के आनन्द में डूबकर बेटियों को मल्हार गाना सिखाता है।

अग्रोहा कॉलोनी रायपुर मो.9893123310

(हरेली तिहार पर विशेष कविता)

त... कहां ले रहही हरियाली ?

हमर करम हो गे हे जाली,
त... कहां ले रहही हरियाली।।
काटत हन रोज जंगल-पहाड़,
सुने ल नइ मिले बघुवा के दहाड़।
जंगल नसा गे, पहाड़ पटागे,
बेचागे जीव-जंतु के रांड़।
बिरिच्छ लगा के देखनी देखाथन,
लोगन ल आज-काली।।
त... कहां ले रहही हरियाली।।
धरती ह रसायन में जरत हे,
साग-भाजी जहर उछरत हे।
जहर खावत हन, जहर पचोत हन,
मनखे मं कतको रोग-राई उभरत हे।
भौतिक विकास के मारत फुटानी,
रहिगेन निच्चट खाली।।
त,,कहां ले रहही हरियाली।।
कल-कारखाना जहर उगलत हे,
नदिया के पानी मं आगी सुलगत हे।
जरत हे जवानी,, जरत हे परानी,
मनखे ह फरजी विकास मं फुलगत हे।
घर ल लेस के आगी तापत हन,
वाह रे... हमर प्रणाली।।
त,, कहां ले रहही हरियाली।।
प्रदूषण के रक्सा-दानव,
लीलत हे जग ल,, चेत रे, मानव।
सरग सहीं धरती ल उबार लव,
धरती ल झन धुर्रा में सानव।
मूढ़ता में हमर भूत-प्रेत हांसही,
नाचही दे-दे ताली।। त... कहां ले ...
मनखे तुंहर करनी ल, देख,
देवता नही त,, प्रकृति ल सरेख।
धरती ल झन बांझ बनाव,
कटे नहीं बिधना के लेख।
एक दिन अइसे आही दवा बर,
मिलही न एक ठन छाली।। त... कहा ले....
रिसा गे हे प्रकृति, रिसा गे हे सरसती,
रिसा गे हे,, लछ्मी-काली।
हमर करम हो गे हे जाली।
त... कहां ले
रहही हरियाली।

आत्माराम कोशा 'अमात्य'
राजनांदगांव

सामयिक चर्चा

ट्रिपल इंजन सरकार और मुसीबत बरकार

अखबार टेबल पर रखकर,
बानी बोले- 'गजाधर! आज हमने
'विचित्र किन्तु सत्य खबर पढ़ी
नगर निगम में फिर वेतन संकट!
त्योहारी सीजन में
कर्मचारियों की परेशनियाँ बढ़ी।
अधिकांश कर्मचारियों को
अभी तक वेतन नहीं मिला।
निगम में नौकरी पाकर
उनका चेहरा नहीं खिला।
निगम चुनाव के दिनों में
भाजपाई भैया कहा करते थे
ट्रिपल इंजन सरकार बनेगी,
तो जनता के साथ-साथ
निगम कर्मचारियों को भी
खूब सुख-सुविधा मिलेगी।
पर अब तो वेतन बिना
जिन्दगी लगती है बेकाम
मालूम गजाधर! जब मैने
वर्मा बाबू से वेतन के बारे में पूछा
तो वे एकदम ऐसे भड़क गए। बोले -
''मत लो हमारे सामने निगम का नाम!''
तो उनके ऐसे भड़कने पर
आप क्या कहते हैं गजाधर?''
गजाधर गंभीर हुए बोले -
''सचमुच बानी!
जब वेतन नहीं और है
परेशानी, तो फिर
ट्रिपल इंजन सरकार
का क्या काम ?''
मंगलवार 11 अगस्त 2026

गिरीश बख्शी

शब्द सामर्थ्य -127

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिड़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

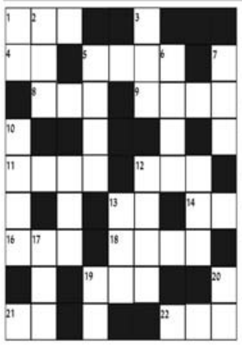

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 126 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		याँ			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

राशिफल

मेष

पैसों की स्थिति ठीक बनी रहेगी। जल्दबाजी में खरीदारी करने से बचें। आज का दिन पुराने निवेश को देखने, बकाया चुकाने और बचत की योजना बनाने के लिए बहुत सही है। परिवार से जुड़े कुछ जरूरी खर्च सामने आ सकते हैं, जिन्हें आप आसानी से संभाल लेंगे। आप अपनी बचत को मजबूत बनाने पर ध्यान दें।

वृष राशि

पैसों के मामले में समझदारी से कदम उठाने का दिन है। फालतू के खर्चों में कटौती करने और बचत बढ़ाने के नए तरीके मिल सकते हैं। बिना किसी पक्के कागजात के किसी को भी उधार न दें। जोखिम भरे कामों से दूर रहें और लंबी अवधि के सुरक्षित निवेश पर ही भरोसा जताएं, जिससे आने वाले समय में अच्छा लाभ मिल सके।

मिथुन

आपकी कमाई ठीक बनी रहेगी, हालांकि घर की जरूरतों या निजी चीजों पर खर्च थोड़ा बढ़ सकता है। भावुक होकर पैसों से जुड़ा कोई भी फैसला लेने से बचें। अपने महीने के बजट पर दोबारा ध्यान देंगे तो पैसों का संतुलन बिल्कुल सही बना रहेगा। आज की गई छोटी-छोटी बचत आगे चलकर बहुत काम आएगी और आपको राहत देगी।

कर्क

चंद्रदेव आपकी राशि में आ रहे हैं, जिससे आप अपनी जरूरतों को और बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। भविष्य की बचत या सुरक्षा योजनाओं पर ध्यान देना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। मन ललचाने पर भी फालतू की महंगी चीजें न खरीदें। सही तरीके से किया गया पैसों का प्रबंधन आपको हर तरह की चिंता से दूर रखेगा।

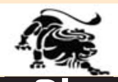

सिंह

पैसों के मामले में थोड़ा संभलकर चलना ही सही रहेगा। अचानक कुछ खर्च आ सकते हैं, लेकिन इनसे आपका मुख्य बजट प्रभावित नहीं होगा। जोखिम वाले कामों में पैसे लगाने से बचें और अपनी पुरानी जमा पूंजी को सुरक्षित रखने पर ही पूरा ध्यान दें, नहीं तो नुकसान होने की आशंका रहेगी। दफ्तर में तुरंत काम निपटाने से ज्यादा सही योजना बनाने की जरूरत रहेगी।

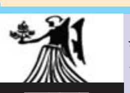

कन्या

आपकी राशि में कमजोर शुक्रदेव बैठे हैं, इसलिए पैसों का सही हिसाब रखना बहुत जरूरी है। दूसरों की देखा-देखी अपने खर्च बिल्कुल न बढ़ाएं। सही बजट बनाकर चलेंगे तो धीरे-धीरे आपकी आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी और भविष्य को लेकर मन में चल रही तमाम परेशानियां भी आसानी से दूर हो जाएंगी।

तुला

आपकी मेहनत से पैसों की स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होगी। सिर्फ दूसरों पर प्रभाव डालने के लिए फालतू खर्च न करें। कोई बड़ी चीज खरीदने की सोच रहे हैं तो दो-तीन जगह से जानकारी जुटाकर ही फैसला लें। लंबी अवधि की योजनाएं आपको भविष्य में बहुत बेहतर लाभ पहुंचाएंगी और मन को संतुष्टि देंगी।

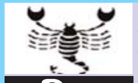

वृश्चिक

पैसों की योजना बनाने के लिए दिन अच्छा है। बचत या टैक्स से जुड़ी कोई काम की सलाह मिल सकती है। पैसों के मामले में किसी के साथ जल्दबाजी में नई साझेदारी न करें। पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही कहीं भी अपना पैसा लगाने का फैसला लें ताकि आपकी जमा पूंजी पूरी तरह सुरक्षित रहे।

धनु

घर-परिवार के खर्चों या साझी जरूरतों पर ध्यान देना पड़ सकता है। जब तक बहुत जरूरी न हो, कर्ज लेने से बचें। अपनी पुरानी योजनाओं को दोबारा देखकर सही कदम उठाना ही समझदारी होगी। दफ्तर में काम का बोझ थोड़ा ज्यादा लग सकता है, लेकिन आपकी हिम्मत बनी रहेगी। भविष्य की तरक्की को लेकर अधिकारियों से सीधी बातचीत हो सकती है।

मकर

साझेदारी के काम में पूरी ईमानदारी रखें। किसी भी बड़े फैसले से पहले आपस में बैठकर खुलकर बात कर लें। भावुक होकर खर्च करने से बचें। सही बजट बनाकर चलने से आने वाले समय में आपकी वित्तीय स्थिति काफी मजबूत बनी रहेगी और किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी। दफ्तर में दूसरों के साथ मिलकर काम करना आज बहुत जरूरी रहेगा।

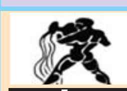

कुंभ

रोजमर्रा की कमाई ठीक बनी रहेगी, हालांकि छोटे-छोटे खर्चे बढ़ सकते हैं। बिना जरूरत की चीजों पर रोक लगाएं और अपने बजट का पूरा ध्यान रखें। काम की जिम्मेदारी बढ़ सकती है, लेकिन इससे अपनी काबिलियत साबित करने का अच्छा मौका मिलेगा। सही योजना बनाकर चलेंगे तो सारे काम आसानी से निपटा लेंगे।

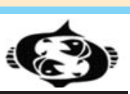

मीन

आपकी राशि में शनिदेव उल्टी चाल चल रहे हैं, जो जल्दबाजी के रास्तों से बचने की सीख दे रहे हैं। जोखिम भरे कामों से दूर रहें और सुरक्षित जगह ही पैसा लगाएं। रुका हुआ पैसा या अटका हुआ भुगतान वापस मिलने की उम्मीद है, थोड़ा धीरज बनाकर चलना ही सही रहेगा। कला, लेखन या रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत बढ़िया रहेगा।

चांदो में दो हजार भक्तों ने किया 108 पार्थिव शिवलिंगों का रुद्र महाभिषेक

0 कामिका एकादशी पर गायत्री आश्रम चांदो में हुआ भव्य धार्मिक आयोजन, शिवनाथ नदी तट पर महाआरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

डोंगरगांव (दावा)। कामिका एकादशी के पावन अवसर पर समीपस्थ ग्राम चांदो स्थित गायत्री आश्रम में रविवार को 108 पार्थिव शिवलिंगों का भव्य रुद्र महाभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ. भगवान शिव की आराधना और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर इस आयोजन में क्षेत्रभर से लगभग दो हजार श्रद्धालुओं ने परिवार सहित पहुंचकर सहभागिता निभाई.

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि विधान के साथ हुआ. कई श्रद्धालु परिवार सहित पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजन में शामिल हुए. रूद्राभिषेक पश्चात् वैदिक यज्ञशाला में यज्ञ एवं हवन का आयोजन किया गया. श्रद्धालुओं ने विधिविधान के साथ यज्ञ में आहुति देकर विश्व कल्याण, सुख समृद्धि

एवं शांति की कामना की. यज्ञ पूर्ण होने के बाद 108 पार्थिव शिवलिंगों की विसर्जन यात्रा निकाली गई. श्रद्धालुगण भक्तिभाव के साथ पार्थिव शिवलिंगों को लेकर शिवनाथ नदी तट तक पहुंचे. जहाँ श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधानपूर्वक पार्थिव शिवलिंगों का विसर्जन किया. इसके बाद नदी तट पर भव्य महाआरती का आयोजन किया गया. आयोजन में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की विशेष व्यवस्था की गई थी. आयोजन को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए आश्रम के कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

रुद्र महाभिषेक में शामिल होने पहुंचे श्रद्धालुओं ने गायत्री आश्रम परिसर में निर्मित विभिन्न वाटिकाओं एवं प्रकल्पों का भी अवलोकन किया. एक ही परिसर में सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा तथा औषधीय एवं धार्मिक महत्व से जुड़े विभिन्न पौधों और वाटिकाओं को देखकर श्रद्धालु काफी प्रभावित हुए. श्रद्धालुओं ने आश्रम परिसर में किए जा रहे विभिन्न रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की. उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ साथ पर्यावरण, औषधीय पौधों और भारतीय संस्कृति से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देना आश्रम की विशेष पहल है.

शहीद निकेश यादव के माता-पिता को तिरंगा सौंपकर भाजयुमो ने की 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत

दाऊचौरा स्थित निवास पहुंचकर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने शहीद परिवार का किया सम्मान, भाजयुमो नेताओं ने कहा- वीर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान राष्ट्रसेवा और कर्तव्यनिष्ठा की देता है प्रेरणा

खैरागढ़ (दावा)। 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत मंगलवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) शहर खैरागढ़ द्वारा नक्सली हमले में शहीद हुए क्षेत्र के सपूत शहीद निकेश यादव की शहादत को नमन किया गया। भाजयुमो पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वार्ड क्रमांक 16 दाऊचौरा स्थित शहीद के निवास पहुंचकर उनके माता-पिता से भेंट की और सम्मान स्वरूप राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) सौंपा। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों ने कहा कि वीर शहीदों का सर्वोच्च बलिदान हम सभी को राष्ट्रसेवा, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की निरंतर प्रेरणा देता है। शहीदों का सम्मान करना ही वास्तव में राष्ट्र का सम्मान है और यही हमारी पहचान है। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका सभापति व पार्षद विनय देवांगन, जिला मंत्री हर्षदीप सिंह, भाजयुमो शहर अध्यक्ष अनीश सिंह, गोपाल साहू, शिवम ताम्रकार, वेदांश सिंह (कुश), लाल पवन सिंह, मनीष ढीमर, लल्ला कांड्रा, किशन सारथी, लाल मानस सिंह, चमन ढीमर, गुलशन भगत, उपेंद्र यादव, भागीरथी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

पहला कॉलम...

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी महिला समूह का हुआ सम्मान

डोंगरगांव (दावा)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आसरा में मध्यान्ह भोजन संचालनकर्ता समूह की आदिवासी महिला सदस्यों का सम्मान किया गया. विद्यालय परिवार की ओर से समूह की सभी महिला सदस्यों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में शाला के प्रधानपाठक रेवतीरमन दास वैष्णव, शिक्षक बी.आर.कोठारी, एल.के. पड़ोती एवं के.साहू सहित विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे. विद्यार्थियों ने भी सम्मानित महिला सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के सदस्यगण, ग्राम आसरा के ग्राम प्रमुख तथा प्राथमिक शाला के शिक्षक चरणदास साहू उपस्थित रहे. कार्यक्रम में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था के संचालन में आदिवासी महिला समूह द्वारा किए जा रहे योगदान की सराहना की गई.

डिजिटल पंचायत मोहला अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

मोहला (दावा)। जनपद पंचायत मोहला के सभाकक्ष में डिजिटल पंचायत अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत मोहला के सभाकक्ष मे समपन्न हुआ। कार्यक्रम मे दुकानदारों को साईबर सुरक्षा, सुरक्षित डिजिटल लेन-देन, डिजिटल भुगतान, एवं क्यूआर कोड, के उपयोग की जानकारी दी गई। जिन दुकानों में व ग्राम के जिस घर के सदस्यों द्वारा क्यूआर कोड उपलब्ध नहीं है वहां पर जानकारी देकर गठित टीम के द्वारा क्यू आर कोठ उपलब्ध कराकर लेनदेन डिजिटल लेनदेन का उपयोग कर ग्राम पंचायत मोहला को शत् प्रतिशत डिजिटल पंचायत बनाने की दिशा में कार्य करने की योजना बनाई गई है। आयोजित कार्य शाला में जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी शुंभागी गुप्ता, LDM दिलजीत गुप्ता, FICC रोहित पाल सर, RESIT डायरेक्टर सचिन बोरकर, वित्तीय साक्षरता केन्द्र सेन्टर इंचार्ज झामेश्वर कुमार, खगेन्द्र, सविता साहू, आंकाक्षी जिला कॉडिनेटर, नमिता जैन, व्यापारी, बैंक सखी, FLCRP, CPL बैंक शाखा के अधिकारी एवं सरपंच पंच उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की घोषणा के आठ माह बाद भी गुण्डरदेही करमरी मार्ग नहीं हुई शुरू

लोगों का उत्साह हुआ ठंडा

(राजेश मेश्राम)

जोंधरा (दावा)। 25 दिसंबर को छुरिया विकासखंड के आश्रित ग्राम गोड़लवाही में आदिवासी हल्बा-हल्बी सम्मेलन में पधारे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अब से आठ महा पूर्व इसी मंच से गुण्डरदेही व्हाया गोड़लवाही और करमरी तक नवीन सड़क चैड़ीकरण की घोषणा की थी। पर आज आठ माह व्यतीत हो जाने के बाद भी सड़क ज्यों के त्यों ही है। सड़क को लेकर मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद उपस्थित लोगों में जश्न का माहौल बन गया था। ऐसे जैसे किसी को उसकी बेहद प्रिय चीज मिल गई हो पर अब ज्यो ज्यो वक्त बीतता गया लोगों का सारा उत्साह ठंडा पड़ गया।

क्षेत्रीय ग्रामीणों की एक ही मांग

क्षेत्रीय ग्रामीण जिसमें लगभग 40 ग्राम आते हैं कि बस इस क्षेत्र के विकास के लिए एक ही मांग है कि सड़क का निर्माण हो जाए। वर्तमान में यह एकल मार्ग है और साथ ही अति महत्वपूर्ण मार्ग भी है। चूंकि ये मार्ग राजनांदगांव जिले के साथ-साथ बालोद जिला का भी पहुंच मार्ग है साथ ही व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी यह मार्ग उतना ही महत्वपूर्ण मार्ग है।

> "इस्टीमेंट बनाकर मंत्रालय को भेज दिया गया है राशि स्वीकृत होते ही कार्य पूरा कर दिया जाएगा।
>
> **मोनू भुआर्य, उपयंत्री खुज्जी**

हरेली प्रकृति और खेती के प्रति आभार का पर्व -शीला टाकेश सिन्हा

राजनांदगांव (दावा)। जिला पंचायत सभापति श्रीमती शीला टाकेश सिन्हा ने हरेली तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, कृषि परंपरा और प्रकृति से गहरे जुड़ा प्रदेश का पहला प्रमुख लोकपर्व है। सावन महीने की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह पर्व किसानों और ग्रामीण जीवन में विशेष महत्व रखता है। हरेली के माध्यम से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ अच्छी फसल, खुशहाली और समृद्धि की कामना की जाती है।

श्रीमती सिन्हा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और कृषि प्रधान जीवनशैली से है। हरेली तिहार इसी परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इस अवसर पर किसान अपने कृषि औजारों की पूजा करते हैं और खेती-किसानी में सहयोग देने वाले साधनों के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। खेत-खलिहानों में हरियाली और अच्छी फसल की कामना के साथ यह पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हरेली केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक पर्व नहीं बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच गहरे संबंध का संदेश देने वाला त्योहार भी है। आज के दौर में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। ऐसे में हरेली हमें पेड़-पौधों, जल, मिट्टी और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देती है। श्रीमति कहा कि छत्तीसगढ़ में सदियों से प्रकृति को जीवन का आधार मानकर उसकी पूजा और संरक्षण की परंपरा रही है। हरेली के माध्यम से यही भावना नई पीढ़ी तक पहुंचती है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि हरेली के अवसर पर अधिक से अधिक पौधरोपण करें और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखें। श्रीमती सिन्हा ने कहा कि किसानों की खुशहाली प्रदेश की समृद्धि से जुड़ी हुई है।

रॉयल किड्स कान्वेंट छुरिया में शपथ ग्रहण का भव्य आयोजन

विद्यार्थियों मिली जिम्मेदारियां को निभाने की शपथ

छुरिया (दावा)। स्थानीय रॉयल किड्स कान्वेंट छुरिया में छात्र परिषद एवं विभिन्न हाउस के नवनियुक्त पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह का गरिमामैई आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव एवं जिला भाजपा के महामंत्री रविंद्र दास वैष्णव उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता अनुशासन जिम्मेदारी एवं तीन भावना का विकास करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती किरण वैष्णव एवं श्री रविंद्र वैष्णव द्वारा मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर विधिवत पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया मां सरस्वती की वंदना एवं पूजन से कार्यक्रम का वातावरण भक्तिमय एवं सकारात्मक हो उठा।

तत्पश्चात संस्था के आशीर्वादक पापा जी स्वर्गीय लाल शंकर बहादुर सिंह, स्वर्गीय माताजी अन्नपूर्णा देवी सिंह एवं संस्था के संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर जेबी सिंह की स्मृति में 1 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई तत्पश्चात संस्था के प्राचार्य गोपाल साहू द्वारा अपने उद्बोधन भाषण में मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि का परिचय दिया गया एवं आज के कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात विद्यालय के नवनियुक्त छात्र पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपने पद एवं दायित्वों के अनुरूप ईमानदारी अनुशासन कर्तव्य निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की शपथ ली।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि किरण वैष्णव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि विद्यालय में चुना जाना सम्मान की बात है साथ ही यह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है विद्यार्थियों को अपने दायित्वों का नीरर्विहन द्मद्मईमानदारी अनुशासन और निष्ठा के साथ करना चाहिए उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा के माध्यम से उन्नति करें और स्कूल में दी जाने वाली शिक्षा एवं घर के संस्कारों से ही चरित्र का निर्माण होता है एवं संस्कारी समाज का निर्माण होता है और रॉयल किड्स कान्वेंट स्कूल या यह दोनों काम शुरू से करता आ रहा है। उन्होंने बच्चों को अपने विद्यालय शिक्षकों एवं सहपाठियों का सम्मान करने तथा सदैव अच्छे कार्य के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर श्री रविंद्र वैष्णव जी ने भी विद्यार्थियों का संवर्धन करते हुए कहा कि एक अच्छा विद्यार्थी वही है जो स्वयं आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपने साथियों को भी आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें उन्होंने विद्यार्थियों को नेतृत्व के साथ विनम्रता अनुशासन और जिम्मेदारी को जीवन में अपने का संदेश दिया।

विद्यालय के छात्र परिषद में शाला नायक हर्षित पाल कक्षा दसवीं एवं उपशाला नायक समर्थ सिंह एवं शाला नायिका नव्या वैष्णव कक्षा दसवीं उपशाला नायिका नूरी फातिमा के साथ-साथ अन्य विभाग में भी विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया।

इस अवसर पर संस्था के प्रशाशक संजय बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को अपने संदेश में कहा कि पद मिलना सम्मान तो है ही साथ ही साथ जिम्मेदारी भी है सभी विद्यार्थी अपने दायित्वों का निर्माण ईमानदारी अनुशासन एवं निष्ठा के साथ करें तथा अपने आचरण से विद्यालय का नाम रोशन करें।

संस्था के डायरेक्टर जन्मेजय बहादुर सिंह ने भी विद्यार्थियों को अपने संदेश में कहा कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करना विद्यालय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि वह अपने साथियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने विद्यालय की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा डॉ. सविता जेबी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक डायरेक्टर संजय बहादुर सिंह, डायरेक्टर्स सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती पूजा सिंह,श्रीमती जानवी सिंह,श्रीमती इला सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल बरसर डॉ. आई.के. वैष्णव ने भी सभी नव नियुक्त पदाधिकारियो को शुभकामनाएं दी एवं सभी विद्यार्थियों से अनुशासन एवं गरिमा को बनाए रखने तथा अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में संस्था की प्रधान पाठिका श्रीमती शारदा सिंह गौर ने मुख्य अतिथि श्रीमती किरण वैष्णव एवं रविंद्र वैष्णव एवं वहां उपस्थित सभी शिक्षक गण एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग एवं मार्गदर्शन से यह शपथ ग्रहण समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियो को उनके उज्जवल भविष्य एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। उक्त जंनकारी प्रचार प्रसार प्रभारी श्रीमति वंदना शर्मा ने दी।

स्काउटिंग के जनक पं.श्रीराम बाजपेयी की जयंती पर हुआ विचार संगोष्ठी का आयोजन

डोंगरगाँव (दावा)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा जिला स्तर पर स्काउटिंग के जनक पंडित श्रीराम बाजपेयी की जयंती का आयोजन 11 अगस्त को किया गया. मिली जानकारी के अनुसार श्री बाजपेयी के जयंती के अवसर पर विचार संगोष्ठी हाईक तिरंगा रैली का आयोजन शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डोंगरगांव किया गया. इस अवसर पर इंदरजीत सिंग खालसा राज्य मुख्य आयुक्त, राजेंद्र गोलछा राज्य उपाध्यक्ष, उमेश हथेल जिला अध्यक्ष, महेश खंडेलवाल जिला मुख्य आयुक्त, प्रवास कुमार सिंह बघेल जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट, जयंत साहू विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पदेन सहायक जिला आयुक्त स्काउट के निर्देश एवं मार्गदर्शन में आयोजित की गई.

कार्यक्रम में बीईओ श्री साहू ने स्वागत उदबोधन दिया. कार्यक्रम के अतिथि महेश खंडेलवाल जिला मुख्य आयुक्त, टोमन साहू जिला उपाध्यक्ष, रामकुमार गुप्ता वि.खं.आजीवन सदस्य रहे. पंडित श्रीराम बाजपेयी के जीवन परिचय एवं भारत में स्काउटिंग में योगदान की जानकारी मयूख श्रीवास्तव जिला संगठन आयुक्त स्काउट ने दी. अतिथियों ने अपने उद्बोधन में पंडित श्रीराम बाजपेयी को स्मरण एवं नमन करते हुए स्काउट गाइड रोवर रेंजर को सम्बोधित कर स्काउटिंग की मूल उद्देश्य शारीरिक मानसिक बौद्धिक आध्यात्मिक विकास के साथ अनुशासन का पालन कर सुनागरिक बनने पर जोर दिया. इस अवसर पर जिला संघ राजनांदगांव स्काउट गाइड के पदाधिकारियों सदस्यों सहित देवेंद्र अम्बादे जिला सचिव, मयूख श्रीवास्तव जिला संगठन आयुक्त स्काउट राखी रामटेक विकासखण्ड सचिव स्काउट टोमन पटेल सुरेश साहू, नरेन्द्र धमगेश्वर, मनीष सोनी, नारद भुआर्य, रुपधान राणा, भोजराज देवांगन, सुश्री सीता सोरी, मीना पटेल, ममता बोरकर, शशि ठाकुर, लोकेश्वरी भंडारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अतुलनीय सहयोग दिया. मंचीय कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन देवेद्र अम्बादे जिला सचिव ने किया. तद्पश्चात पैदल जागरूकता हाईक तिरंगा रैली डोंगरगांव के मुख्य मार्ग से होते हुए निकली एवं राष्ट्रीय पर्व आजादी का महोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मानने आग्रह किया गया.

छत्तीसगढ़ का पहला लोक पर्व हरेली प्रकृति, संस्कृति और कृषि समृद्धि का अनूठा उत्सव

खेती-किसानी के औजारों, हल-नागर और कुलदेवता की हुई विशेष पूजा-अर्चना

खैरागढ़ (दावा)। विविधताओं से भरे भारत देश में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा का अपना एक विशेष स्थान है। राज्य के पहले लोक पर्व 'हरेली' को पूरे अंचल में प्रकृति, हरियाली और कृषि के प्रति श्रद्धा व आभार प्रकट करते हुए अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाने वाला यह त्योहार मुख्य रूप से जीवन और जमीन, मनुष्य और प्रकृति के बीच सुख-समृद्धि के गहरे संबंध की पहचान है।

कृषि कार्य पूरा होने के बाद मनाया जाता है पर्व

किसानों द्वारा खेतों में धान की बुवाई, रोपाई और बियासी का कार्य पूरा कर लेने के बाद हरेली का पर्व मनाया जाता है। इस दिन कृषक समाज अपने गोधन को नहला-धुलाकर स्वच्छ करता है। इसके पश्चात खेती-किसानी में उपयोग आने वाले औजारों–हल (नागर), कुदाली, फावड़ा, गैंती, हसियां आदि को धोकर

घर के आंगन में मूरम का सुंदर बिछौना बनाकर सुसज्जित किया जाता है। औजारों के साथ-साथ कुलदेवता की भी पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। पूजा के दौरान विशेष रूप से चीला, पूड़ी और कच्चे नारियल का प्रसाद चढ़ाया जाता है।

गेड़ी, नीम की पत्तियां और कील ठोकने की परंपरा

हरेली पर बांस से बनी 'गेड़ी' का विशेष आकर्षण रहता है। प्राचीन समय में बरसात के दौरान गांवों में कीचड़ से बचने के लिए बांस की गेड़ी बनाकर रास्ते पार किए जाते थे, जो अब परंपरा का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। बच्चे और युवा गेड़ी पर चढ़कर पारंपरिक खेलों का आनंद लेते हैं। इसके साथ ही, औषधीय गुणों से भरपूर नीम की डालियों को घरों के मुख्य दरवाजों पर लगाया जाता है, ताकि बीमारियां और कीट-पतंगे दूर रहें। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार लोहार समाज के लोग घर-घर जाकर चौखट पर कील ठोककर अनिष्ट से रक्षा का आशीर्वाद देते हैं। वहीं, मुख्य द्वार पर गाय के गोबर से 'हरेली देव' का भित्ति चित्र बनाकर बुरी नजर और बलाओं से सुरक्षा की प्रार्थना की जाती है।

पारंपरिक खेल, फुगड़ी और नारियल फेंक प्रतियोगिता

हरेली के अवसर पर ग्रामीण अंचलों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। पुरुषों व युवाओं के बीच पारंपरिक 'नारियल फेंक' प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं महिलाओं व बालिकाओं ने खो-खो और फुगड़ी का आनंद लिया। फुगड़ी खेलने से पूर्व छत्तीसगढ़ी लोकगीत 'गोबर दे बछरू गोबर दे...' गाया गया। फुगड़ी का सीधा संबंध योग और शारीरिक व्यायाम से है, जो शरीर के सभी अंगों को स्वस्थ और तंदुरुस्त रखने में सहायक होता है। हरेली का यह पावन पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपराओं और कृषक जीवन की खुशहाली का प्रतीक बनकर अंचल भर में उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

पहला कॉलम...

बांग्लादेश में दौड़ेगी 'मेड इन इंडिया' ट्रेन!

भारत की रेलवे तकनीक और कोच निर्माण क्षमता का एक और शानदार उदाहरण सामने आया है। पंजाब के कपूरथला स्थित रेल कोच फैक्ट्री से बांग्लादेश रेलवे के लिए 20 LHB कोच वाली पहली रेक तैयार होकर रवाना होने जा रही है। खास बात यह है कि इन कोचों में कई ऐसे डिजाइन और तकनीकी बदलाव किए गए हैं, जिन्हें पहली बार LHB कोच में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश रेलवे के लिए तैयार की गई इस पहली रेक में कुल 20 LHB ब्रॉड गेज पैसेंजर कोच हैं। इनमें 3 एसी स्लीपर कोच, 3 एसी चेयर कार, 12 नॉन-एसी चेयर कार और 2 पावर कोच शामिल हैं। इन कोचों में यात्रियों की जरूरत और बांग्लादेश रेलवे की आवश्यकताओं के अनुसार कई खास बदलाव किए गए हैं। RCS के मुताबिक, इनमें कई डिजाइन फीचर्स और मॉडिफिकेशन ऐसे हैं, जिन्हें पहली बार एसी टाइप कोच में विकसित किया गया है।

RCS कपूरथला और बांग्लादेश रेलवे का रिश्ता नया नहीं है। दोनों के बीच सहयोग की शुरुआत 2015-16 में हुई थी, जब RCS ने बांग्लादेश रेलवे को 120 एसी ब्रॉड गेज यात्री कोच की सफलतापूर्वक आपूर्ति की थी। इस कामयाब साझेदारी के बाद बांग्लादेश रेलवे ने एक बार फिर RCS पर भरोसा जताया। साल 2024 में RTE के जरिए RCS को 200 ब्रॉड गेज पैसेंजर कोच बनाने का बड़ा ऑर्डर दिया गया। ये कोच 7 अलग-अलग वेरिएंट में तैयार किए जाने हैं।

खदान में काम कर रहे 14 मजदूरों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के रुस्टेनबर्ग में बंद पड़ी खदान के अंदर 14 मजदूरों के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। बिना सुरक्षा उपकरणों के काम करने और आपराधिक गिरोहों की मौजूदगी ने इस अवैध खनन उद्योग को बेहद जानलेवा बना दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

दक्षिण अफ्रीका से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। रुस्टेनबर्ग शहर के पास एक बंद पड़ी खदान में कम से कम 14 अवैध खदान मजदूरों के शव बरामद हुए हैं। पुलिस ने मंगलवार को इस बड़े हादसे की पुष्टि की है। इस दर्दनाक घटना में दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।यह पूरी घटना जोहान्सबर्ग से लगभग 130 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित रुस्टेनबर्ग के पास की है। राष्ट्रीय पुलिस सेवा ने मौतों की सटीक वजहों का अभी खुलासा नहीं किया है। हालांकि, स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रांतीय पुलिस आयुक्त खुद मौके पर पहुंच रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में अनधिकृत खनन की समस्या बहुत गहरी है। यह अवैध कारोबार पूरी तरह से आपराधिक गिरोहों के नियंत्रण में है। इन खदानों पर कब्जे को लेकर अक्सर अलग-अलग गिरोहों के बीच हिंसक झड़पें होती रहती हैं। रुस्टेनबर्ग प्लैटिनम खनन का एक बड़ा केंद्र है। पूरे विश्व में प्लैटिनम का सबसे बड़ा भंडार दक्षिण अफ्रीका के पास ही है।

शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव! सेंसेक्स-निफ्टी धड़ाम

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार, 11 अगस्त को एक बार फिर बिकवाली का दबाव देखने को मिला। दिनभर उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार करने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। रियल्टी और मेटल शेयरों में कमजोरी ने बाजार का मूड बिगाड़ दिया। हालांकि, फार्मा और IT शेयरों में खरीदारी ने गिरावट को कुछ हद तक संभालने का काम किया।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 388.19 अंक यानी 0.49 फीसदी गिरकर 78,154.25 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 112.10 अंक यानी 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ 24,471.70 पर पहुंच गया। बाजार में गिरावट का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि करीब 2,152 शेयर गिरावट में बंद हुए, जबकि 1,977 शेयरों में तेजी रही। 187 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी 50 के शेयरों में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स करीब 2.85 फीसदी गिरा, जबकि मैक्स हेल्थकेयर में 2.77 फीसदी की गिरावट रही। अल्ट्राटेक सीमेंट 2.23 फीसदी नीचे आया। नेस्ले और ग्रासिम में भी करीब 2.09 फीसदी की कमजोरी देखने को मिली।

गिरावट के बावजूद कुछ शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। डॉक्टर रेड्डीज लैब्स करीब 4.06 फीसदी चढ़कर सबसे बड़ा गेनर रहा। इटर्नल में 2.03 फीसदी, ञ्चष्टस् में 0.68 फीसदी, टाइटन कंपनी में 0.55 फीसदी और इन्फोसिस में 0.40 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सेक्टोरल प्रदर्शन भी मिला-जुला रहा। निफ्टी फार्मा करीब 1 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.6 फीसदी चढ़ा। दूसरी तरफ रियल एस्टेट, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स में करीब 1 फीसदी की गिरावट रही।

दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर अभिषेक पोरेल गिरफ्तार, मेडिकल स्टूडेंट ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली। IPL में दिल्ली कैपिटल्स और घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए खेलने वाले क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक मेडिकल छात्रा ने उन पर शादी का झूठा वादा करके बलात्कार करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, क्रिकेटर को दम दम इलाके की इमामी सिटी से हिरासत में लिया गया। जिला पुलिस अधीक्षक ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

पुलिस की जानकारी के अनुसार, क्रिकेटर अभिषेक पोरेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) और आईटी एक्ट की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता महिला का कहना है कि वे दोनों पिछले तीन वर्षों से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में थे, लेकिन पिछले साल दोनों के बीच अनबन शुरू हुई। इसके बाद अभिषेक ने उनसे दूरी बना ली। महिला का आरोप है कि पोरेल ने शादी का झूठा वादा करके उनके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी करने से मना कर दिया। इसके अलावा, महिला ने क्रिकेटर पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को गिरफ्तार कर लिया है। कुछ दिनों पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शिकायत मिलने पर इस मामले की जांच शुरू की गई थी, जिसके तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने भी इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। वहीं अभिषेक पोरेल पहले ही अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह खारिज कर चुके हैं।

अभिषेक पोरेल के बारे में कहें तो वे आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम के लिए खेलते हैं। वो बाएं हाथ के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज हैं और 2023 से दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। पिछले सीजन में उन्होंने दिल्ली के लिए चार पारियों में खेलते हुए कुल 108 रन बनाए थे। उन्होंने 2021-22 में बंगाल के लिए फर्स्ट-क्लास करियर की शुरुआत की थी। अब तक वे 32 फर्स्ट क्लास मैच और 23 लिस्ट-ए मैच खेल चुके हैं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए वे अब तक कुल 35 मैच खेल चुके हैं।

वेस्टइंडीज को 2027 वर्ल्ड कप में सीधे नहीं मिली एंट्री

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 अब करीब आता जा रहा है। धीरे धीरे इसके शुरू होने के दिन कम हो रहे हैं। इस बीच टीमों की धुकधुकी भी बढ़ती जा रही है। अब दो बार की विश्व चैंपिय?न टीम वेस्टइंडीज को फिलहाल इससे बाहर होना पड़ा है। अब ये तय हो गया है कि उसकी डायरेक्ट एंट्री नहीं होगी, लेकिन उसके पास एक और विकल्प अभी बचा हुआ है। हालांकि इसके लिए उसे काफी मेहनत करनी होगी। इस बीच ये कहना सही नहीं होगा कि वेस्टइंडीज की टीम अब अगले साल होने वाला विश्व कप नहीं खेल पाएगी।

इस वक्त अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच वनडे सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद हो गया था, इसके रद होने से आयरलैंड की डायरेक्ट एंट्री की उम्मीदों का पूरी तरह से खत्म कर दिया था। इसके बाद दूसरा मैच अफगानिस्तान ने तीन विकेट से जीत लिया और इसके साथ ही ये भी तय हो गया कि अब वेस्टइंडीज की टीम सीधे विश्व कप में अपनी जगह नहीं बना पाएगी।

दरअसल साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने तो मेजबान होने के नाते अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली थी। इसके बाद टीमों का सिलेक्शन आईसीसी वनडे रैंकिंग के आधार पर होना था। वैसे तो इसकी आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है, लेकिन अभी से तय हो गया है कि कौन सी टीम यहां से जाएंगी और कौन सी नहीं जा पाएंगी।

जेसन रॉय बने नई टी20 लीग का हिस्सा

नई दिल्ली। इंग्लैंड के लिए लंबे समय तक धमाल मचाने वाले जेसन रॉय एक बार फिर नई चुनौती के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड की टीम से लंबे समय से दूर चल रहे इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अब एक नई टी20 लीग का रुख किया है। रॉय को पहली बार आयोजित होने जा रही यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग यानी ETPL के लिए ग्लासगो कॉस्मिक ने अपनी टीम में शामिल कर लिया है।

ग्लासगो कॉस्मिक ने 11 अगस्त को रॉय को टीम में शामिल करने का ऐलान किया। 36 साल के रॉय इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम की कई बड़ी सफलताओं का अहम हिस्सा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने 2023 के बाद इंग्लैंड के लिए कोई इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है, लेकिन प्रोफेशनल क्रिकेट और दुनियाभर की टी20 लीग में उनकी जबरदस्त डिमांड है। टॉप ऑर्डर में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रॉय से ग्लासगो कॉस्मिक को काफी उम्मीदें होंगी। छोटे फॉर्मेट में उनका स्ट्राइक रेट करीब 137 का है, जो उनकी बल्लेबाजी की आक्रामक शैली को दर्शाता है।

आशुतोष शर्मा को लगा तगड़ा झटका, चोट के कारण इंग्लैंड में वन-डे कप मैच से हुए बाहर

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा को लेकर इंग्लैंड से बड़ी खबर सामने आई है। आशुतोष शर्मा चोट के कारण वनडे कप मैच से बाहर हो गए हैं। स्टार भारतीय ऑलराउंडर हैंपशायर की ओर से 11 अगस्त को डर्बीशायर के खिलाफ वनडे मैच नहीं खेल पाएंगे। आशुतोष 9 अगस्त को मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। हैम्पशायर ने मैच से पहले ये जानकारी दी है।

हैम्पशायर ने अपनी टीम की जानकारी देने के दौरान आशुतोष के न खेलने की बात बताई, लेकिन चोट या उसकी गंभीरता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। हैम्पशायर ने 11 अगस्त को एक बयान में कहा कि आशुतोष शर्मा रविवार के मैच में लगी चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। तेज गेंदबाज हैरी पेट्री टीम में वापस आ रहे हैं। हैरी ने टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में हिस्सा लिया था।

वन-डे कप में बल्लेबाजी के लिहाज से आशुतोष का सीजन मिला-जुला रहा है। उन्होंने सात मैचों में सिर्फ 56 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 16 रहा है। हालांकि, 28 साल के आशुतोष ने गेंदबाजी में जबरदस्त छाप छोड़ी है और हैम्पशायर के लिए टूर्नामेंट सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 7 मैचों में 14 विकेट अपने नाम किए हैं। आशुतोष की चोट हैम्पशायर के लिए बड़ा झटका है। टीम अभी अपने ग्रुप में सात मैचों में चार जीत के साथ चौथे स्थान पर है। उन्हें कॉम्पिटिशन के अगले स्टेज के लिए क्वालिफाई करने में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अभी यह साफ नहीं है कि आशुतोष की चोट कितनी गंभीर है और क्या इसका असर 11 अगस्त के मैच के बाद भी उनकी उपलब्धता पर पड़ेगा।

27 साल के आशुतोष इंडियन प्रीमियर लीग यानी ढ्ढक्करु में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हैं। यह फ्रेंचाइजी त्रस्नक्र ग्रुप की को-ओन्ड है, जिसके पास हैम्पशायर की भी ओनरशिप है।

पिछले दो ढ्ढक्करु सीजन में उन्होंने ष्ठष्ट के लिए 350 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 170 और औसत 31.25 रहा है। उन्होंने 2017 में मध्य प्रदेश के साथ अपना घरेलू करियर शुरू किया और बाद में रेलवे में चले गए। आशुतोष ने सभी फॉर्मेट में कुल 92 मैच खेले हैं।

संन्यास के बाद सचिन से लेकर कोहली तक ने किया संपर्क, रहाणे ने सभी को क्यों दिया एक ही जवाब?

नई दिल्ली। अजिंक्य रहाणे ने बताया कि संन्यास के बाद सचिन तेंदुलकर ने उन्हें फोन किया, जबकि विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह ने मैसेज किया। रहाणे ने सभी से कहा कि वह अपने फैसले से संतुष्ट हैं, क्योंकि उन्होंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया और बिना किसी पछतावे के संन्यास लिया।

भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेकर अपने लंबे करियर को विराम दे दिया है। भारतीय टेस्ट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज रहे रहाणे ने संन्यास के बाद बताया कि उनके फैसले पर क्रिकेट जगत के कई दिग्गजों ने उनसे संपर्क किया। इनमें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह जैसे नाम शामिल हैं।

रहाणे ने द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में बताया कि संन्यास की घोषणा के बाद उन्हें सबसे पहले सचिन तेंदुलकर का फोन आया था। सचिन ने उनसे कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि रहाणे भारत के लिए इससे भी ज्यादा क्रिकेट खेलेंगे। रहाणे ने बताया कि उन्होंने सचिन से कहा कि वह अपने करियर को बिना किसी पछतावे के खत्म करना चाहते थे और इसे अनावश्यक रूप से आगे नहीं खींचना चाहते थे। इसके बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने भी उन्हें फोन किया, जबकि चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह ने उन्हें संदेश भेजकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। रहाणे ने कहा कि उन्होंने सभी को एक ही जवाब दिया कि वह अपने फैसले से संतुष्ट हैं, क्योंकि उन्होंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया।

रहाणे ने कहा, %सचिन पाजी का सबसे पहले फोन आया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा था कि मैं ज्यादा समय तक खेलूंगा। मैंने उनसे कहा कि मैं बिना किसी पछतावे के संन्यास ले रहा हूं और इसे खींचना नहीं चाहता था। इरफान पठान ने भी फोन किया, जबकि पुजारा, विराट, रोहित और बुमराह ने मुझे संदेश भेजे। मैंने सभी से यही कहा कि मैं संतुष्ट हूं, क्योंकि मैंने खेल को अपना सब कुछ दिया। संन्यास की घोषणा करते समय भावुक हो गए थे रहाणे अजिंक्य रहाणे ने यह भी बताया कि संन्यास का वीडियो रिकॉर्ड करते समय वह काफी भावुक हो गए थे।

उन्होंने कहा कि परिवार के साथ संन्यास को लेकर बातचीत के दौरान भी वह भावुक हुए थे, लेकिन वीडियो रिकॉर्ड करते वक्त भावनाएं इतनी ज्यादा हावी हो जाएंगी, इसकी उन्हें उम्मीद नहीं थी।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में लंगूर की आवाज निकालेंगे एक्सपर्ट

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप के दौरान बंदरों को स्टेडियम से दूर रखने के लिए आयोजकों ने तीन प्रोफेशनल मिमिक को काम पर रखा है. ये लोग लंगूर की आवाज की हूबहू नकल करेंगे, ताकि इलाके में मौजूद रीसस मकाक बंदर डरकर वहां से दूर चले जाएं. दिल्ली में रीसस मकाक बंदरों की अच्छी-खासी मौजूदगी है और इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के आसपास का इलाका भी इससे अछूता नहीं है.

दरअसल, इस खास इंतजाम की वजह इस साल जनवरी में हुआ इंडि?या ओपन है. उस दौरान बंदर दर्शकों के बीच पहुंच गए थे और कुछ समय के लिए मुकाबलों में भी व्यवधान पैदा हुआ था. बंदरों के स्टैंड में घूमने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए और इंटरनेशनल लेवल पर भी इसकी चर्चा हुई.

अब आयोजक किसी भी तरह की ऐसी स्थिति दोबारा नहीं चाहते. खासकर तब, जब भारत करीब 17 साल बाद बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप की मेजबानी कर रहा है. बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में व्यापक तैयारियां की हैं, ताकि इस बार आयोजन के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था की गुंजाइश न रहे.मीड़िया रिपोर्टों के मुताबिक आयोजकों ने तीन ऐसे लोगों को जिम्मेदारी सौंपी है, जिन्हें बंदरों को भगाने के लिए लंगूर की आवाज निकालने का अनुभव है. ये लोग लंगूर की गुर्राहट, घुरघुराहट और दूसरी आवाजों की नकल करेंगे.

झारखंड जेएसएससी जेई पेपर....

निदेशक की गिरफ्तारी के बाद जांच की दिशा और व्यापक हो गई है। एसआईटी यह पता लगाने में जुटी है कि प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले किस स्तर पर लीक हुआ, उसे किसने हासिल किया और फिर किन लोगों के माध्यम से अभ्यर्थियों तक पहुंचाया गया।

0 पूछताछ के दौरान हो सकते हैं बड़े खुलासेः गौरतलब है कि पेपर लीक के आरोपों के बाद जेएसएससी ने तीन जुलाई 2022 को आयोजित इस परीक्षा को रद्द कर दिया था। बाद में मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। न्यायिक रिकॉर्ड में भी परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होने को लेकर दर्ज प्राथमिकी और जांच का उल्लेख है। अरुण कुमार की गिरफ्तारी को एसआईटी की जांच में अहम कड़ी माना जा रहा है। अब पूछताछ के दौरान यह खुलासा होने की उम्मीद है कि पेपर लीक के पीछे कौन-कौन लोग थे और इस पूरे खेल में अभ्यर्थियों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने की व्यवस्था कैसे की गई।

15 अगस्त से पहले पीएम....

और स्वतंत्रता दिवस की भावना को सामूहिक रूप से मनाने का आह्वान किया है। 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य देशवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ना और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देना है। इस अभियान के तहत लोग अपने घरों, प्रतिष्ठानों और अन्य स्थानों पर तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में भाग लेते हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग तिरंगे के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हैं। 15 अगस्त के नजदीक आने के साथ ही देशभर में स्वतंत्रता दिवस को लेकर कार्यक्रमों और तैयारियों का दौर शुरू हो गया है। ऐसे समय में पीएम मोदी का यह वीडियो संदेश लोगों को 'हर घर तिरंगा' अभियान से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण अपील के तौर पर देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री की अपील के बाद अब सोशल मीडिया पर भी #HarGharTiranga अभियान के तहत लोगों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो....

खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने कुछ परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला लिया है और छात्रों की ज्यादातर मांगें मान ली गई हैं। सोरेन ने यह भी कहा कि परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की सलाह ली जाएगी। 10 अगस्त को रांची में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रशासन की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने धैर्य का परिचय दिया और प्रदर्शनकारी उस क्षेत्र तक पहुंच गए, जहां पूरे साल धारा 144 लागू रहती है। सोरेन ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग गेरुआ वस्त्र पहनकर दुनिया को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और अब छात्रों का चोला पहनकर सामने आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों ने विधानसभा की गरिमा को तार-तार किया और इसके बावजूद लोकतंत्र की बात करते हैं।

पान मसाला की पैकेजिंग में....

से प्रतिबंध लग जाएगा। नए नियमों में निर्माताओं को पान मसाला की पैकेजिंग के लिए टिन और कांच के कंटेनर इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है। यानी निर्माता प्लास्टिक पैकेट के स्थान पर इन विकल्पों का इस्तेमाल कर सकेंगे। प्राधिकरण ने यह संशोधन हितधारकों से प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद लागू किया है। नए नियमों के लागू होने के साथ निर्माताओं को अपनी पैकेजिंग व्यवस्था में आवश्यक बदलाव करने होंगे। संशोधित प्रावधानों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के नियम 4 के उप-नियम 1 के खंड (एफ) और (आई) के तहत निर्धारित प्रावधान पान मसाला की पैकेजिंग पर भी लागू होंगे। इससे पान

प्रथम पृष्ठ का शेष....

मसाला की पैकेजिंग और उससे उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के निपटान को लेकर निर्माताओं की जिम्मेदारियां भी निर्धारित होंगी। प्लास्टिक पैकेजिंग पर रोक के बाद पान मसाला निर्माताओं को अपनी पैकेजिंग प्रणाली में बदलाव करना पड़ेगा। इससे उत्पादन, पैकेजिंग और परिवहन की लागत प्रभावित होने की संभावना है। खासकर टिन और कांच के कंटेनर प्लास्टिक पाउच की तुलना में अधिक भारी होने के कारण परिवहन लागत में वृद्धि हो सकती है। नए नियमों के लागू होने के बाद पान मसाला उद्योग को पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप पैकेजिंग में बदलाव करना होगा। प्राधिकरण का यह कदम प्लास्टिक आधारित पैकेजिंग से होने वाले अपशिष्ट को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता....

प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में लावणी, तुतारी, सोंगी मुखौटे, गेंड़ी नृत्य, गौर मड़िया, भगोरिया, बैगा करमा, सामई और घोड़े मोडनी जैसी प्रस्तुतियां शामिल होंगी। राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाली संगीत प्रस्तुति को एक निरंतर सांस्कृतिक यात्रा के रूप में तैयार किया गया है, जो जंगलों, गांवों, मंदिरों और समुद्र तटीय क्षेत्रों से गुजरते हुए भारत की जीवंत लोक परंपराओं को प्रस्तुत करेगी। इस सांगीतिक यात्रा की शुरुआत छत्तीसगढ़ और बस्तर की पारंपरिक अनुष्ठानिक परंपराओं पर आधारित मंगल धुन से होगी। इसके बाद महाराष्ट्र की लोक परंपराओं, गोवा की तटीय सांस्कृतिक विरासत और मध्य प्रदेश की जनजातीय संगीत परंपराओं को प्रस्तुत किया जाएगा। अंतिम चरण में चारों राज्यों के कलाकार एक साथ प्रस्तुति देंगे, जो भारत की 'एकता में विविधता' की भावना को सांगीतिक रूप में अभिव्यक्त करेगी। इस वर्ष की संगीत प्रस्तुति का संयोजन छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक गायक, संगीतकार, लेखक एवं रंगकर्मी श्री राकेश कुमार तिवारी ने किया है। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित श्री तिवारी छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के संरक्षण और संवर्धन में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं। छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से शामिल होने वाले कलाकार अपनी प्रस्तुतियों में राज्य के पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग करेंगे। बालोद के एक कलाकार द्वारा मोहरी, दफड़ा, दमाऊ, गुड़ुम और बांसुरी जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं नारायणपुर के एक कलाकार द्वारा गुटा परई, नार परई, ढोल और कुंदिर जैसे वाद्ययंत्रों के माध्यम से बस्तर की जीवंत लोक संगीत परंपरा को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। इन कलाकारों की भागीदारी से छत्तीसगढ़ की उन विशिष्ट संगीत परंपराओं और ध्वनियों को अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो राज्य के विभिन्न समुदायों के बीच पीढ़ियों से विकसित होती रही हैं और आज भी उसकी जीवंत सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। राष्ट्रपति भवन में प्रस्तुत की जाने वाली इस सांस्कृतिक विषय-वस्तु में इस विचार को रेखांकित किया जाएगा कि सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। छत्तीसगढ़ समेत चारों राज्यों की सांस्कृतिक परंपराएं यह दर्शाती हैं कि स्थानीय समुदायों का जंगलों, कृषि, प्राकृतिक संसाधनों और ऋतु चक्र के साथ ऐतिहासिक रूप से गहरा संबंध रहा है। विशेष रूप से बस्तर की परंपराओं तथा गेंड़ी और गौर मड़िया नृत्यों के माध्यम से समुदाय, संस्कृति और प्रकृति के इस जीवंत संबंध को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर....

आतिफ नजीब को पिछले साल जनवरी में गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्हें जेल की कैदी ड्रेस में अदालत परिसर में लोहे के पिंजरे के अंदर खड़ा करके यह फैसला सुनाया गया। उन पर दरा में नाबालिग बच्चों को यातनाएं देने और उनकी हत्या के सीधे आरोप सिद्ध हुए हैं। दिसंबर 2024 में हायात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोहियों के दमिश्क पहुंचने पर बशर अल-असद अपने परिवार के साथ भागकर मास्को चले गए थे, जहां राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें राजनीतिक शरण दी थी। सीरिया की वर्तमान अंतरिम सरकार द्वारा पूर्व शासन के क्रूर नेताओं के खिलाफ शुरू की गई अदालती कार्यवाही के तहत यह पहला सबसे बड़ा फैसला है। अदालत का फैसला आने के बाद अब सीरिया की नई सरकार और मानवाधिकार संगठन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दबाव बनाकर असद और उनके भाई को रूस से प्रत्यर्पित कराने और सजा पर अमल कराने की मांग तेज कर रहे हैं।

शराब घोटाला, ईडी ने कांग्रेस नेता....

पर सरकारी शराब कारोबार में अनियमितताओं, अवैध वसूली और पैसों के लेन-देन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही हैं। एजेंसियों का आरोप है कि शराब कारोबार में एक संगठित नेटवर्क के जरिए बड़ी रकम का लेन-देन हुआ। ईडी इस मामले में पहले भी कई लोगों से पूछताछ और कार्रवाई कर चुकी है। अब रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना है। अदालत में पेशी के दौरान ईडी उनकी रिमांड की मांग कर सकती है, जिसके बाद पूछताछ में मामले से जुड़े नए नाम और लेन-देन सामने आने की संभावना है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है।ईडी ने ACB में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

राज्य गौरव सम्मान से सम्मानित डॉ.कल्चुरी का छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा द्वारा किया सम्मान

डोंगरगढ़ (दावा)। राज्य गौरव सम्मान से सम्मानित डोंगरगढ़ के प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. आलोक कल्चुरी का सम्मान करने एवं उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा महिला समिति का एक प्रतिनिधिमंडल उनके निवास एवं होम्योपैथिक अस्पताल पहुंचा। महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती राधा सिंह बैस के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. कल्चुरी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उत्कृष्ट चिकित्सा कार्यो की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर महिला समिति की सदस्य लीना गहरवार, साधना तोमर, सुचित्रा कल्चुरी, अंचला सिंह ठाकुर, रुबी गहरवार, प्राची सिंह एवं सानिध्य सिंह कल्चुरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

धर्मनगरी का मान बढ़ाया डॉक्टर कलचुरी ने

स्वागत सम्मान के पश्चात उपस्थित सामाजिकगणों ने एक सुर में कहा कि डॉ. आलोक कल्चुरी ने होम्योपैथिक चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाओं से न केवल धर्म नगरी डोंगरगढ़ बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। राज्य गौरव सम्मान प्राप्त करना उनकी वर्षो की मेहनत, सेवा भावना और समर्पण का परिणाम है।इस अवसर पर महिला समिति की सदस्यों ने आयुष हॉस्पिटल की शोभी खान से भी भेंट कर अस्पताल में मरीजों के प्रति उनकी सेवाभावना एवं कार्यशैली की प्रशंसा की। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. आलोक कल्चुरी एवं उनकी टीम भविष्य में भी समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हुए आयुर्वेद चिकित्सा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

आयुर्वेद केवल रोगों का उपचार नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का विज्ञान है - डॉ. कलचुरी

सम्मान के उपरांत डॉ. आलोक कल्चुरी ने महिला समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज का यह स्नेह और विश्वास उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाला प्रत्येक मरीज उनके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है और उसका बेहतर उपचार करना ही उनका प्रथम दायित्व है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से जनसेवा करते रहेंगे।डॉ. कल्चुरी ने इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों का उपचार नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का विज्ञान है। संतुलित आहार, दिनचर्या, योग, प्राकृतिक औषधियों तथा रोगों की जड़ से चिकित्सा की अवधारणा आज पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि लोग आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाएं तो अनेक गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है।उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आयुष एवं आयुर्वेद चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार सकारात्मक प्रयास कर रही है। राज्य में आयुष सेवाओं का विस्तार, आयुर्वेद चिकित्सालयों को सुदृढ़ करना, जन जागरूकता अभियान तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ जोड़ने की पहल सराहनीय है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों को सुलभ एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

डॉ. रमन ने प्रतिभास्थली की छात्राओं का राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में किया उत्साह वर्धन

व्रतिका जैन व आर्या जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर किया शानदार प्रदर्शन

डोंगरगढ़ (दावा)। पूर्व मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर ओपन क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ, डोंगरगढ़ की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली छात्राओं का विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने उत्साह वर्धन किया। प्रतियोगिता में प्रतिभास्थली की छात्राओं ने अपनी एकाग्रता, रणनीतिक सोच, धैर्य एवं उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते हुए शानदार सफलता हासिल की। छात्राओं के बेहतरीन प्रदर्शन से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। प्रतियोगिता में व्रतिका जैन (कक्षा 9वीं), आर्या जैन (कक्षा 11वीं) एवं माही जैन (कक्षा 12वीं) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं दिवि जैन (कक्षा 7वीं) ने द्वितीय स्थान तथा चहक गजेन्द्र (कक्षा 7वीं) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

हरियाली और उल्लास का पर्व, हरेली हमारी संस्कृति का गर्व।

सुरही नदी पर रपटा-कम-काजवे की बड़ी सौगात, 10.13 करोड़ की स्वीकृति पर विधायक का जताया आभार

खैरागढ़ (दावा)। सुरही नदी पर रपटा-कम-काजवे की बडी सौगात विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा के प्रयास से, क्षेत्रवासीयो ने किया विधायक का आभार। ग्राम पंचायत बागुर के लिए लंबे समय से आवश्यक सुरही नदी पर रपटा-कम-काजवे निर्माण हेतु 10.13 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

ग्राम बागुर के पंच-सरपंच ने विधायक के गृह निवास पहुंचकर दी बधाई
क्षेत्रवासियों ने कहा-विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा

विधायक के गृह निवास पहुंचकर पंच,सरपंच और ग्रामीणजनो ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य की स्वीकृति दिलाने में विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा की सक्रिय पहल और निरंतर प्रयासों के लिए ग्राम पंचायत बागुर के पंच-सरपंच एवं ग्रामीण प्रतिनिधियों ने उनके गृह निवास पहुंचकर बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि सुरही नदी पर रपटा-कम-काजवे का निर्माण बागुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आवागमन की बड़ी समस्या का स्थायी समाधान साबित होगा।

बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी क्षेत्र के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा, ग्रामीण प्रतिनिधियों ने विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक के प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है। जनभावनाओं और स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को स्वीकृति दिलाना विधायक की सक्रिय कार्यशैली को दर्शाता है।

विधायक यशोदा नीलाम्बर वर्मा ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया और आवागमन की सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।। सुरही नदी पर रपटा-कम-काजवे का निर्माण क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे बड़ी संख्या में ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। विधायक ने कहा कि जनता की जरूरत और क्षेत्र का विकास ही उनकी राजनीति का आधार है। ग्रामीणों की समस्याओं को शासन तक पहुंचाकर उनका समाधान कराना और विकास कार्यों को जमीन पर उतारना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

संकुल स्तरीय कला उत्सव में 7 केंद्रीय विद्यालयों के 248 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

डोंगरगढ़ (दावा) । पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय डोंगरगढ़ में केंद्रीय विद्यालय संगठन के तत्वावधान में संकुल स्तरीय राष्ट्रीय एकता पर्व 2026-27 एवं कला उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में संकुल के 7 केंद्रीय विद्यालयों–के वि सीआईएसएफ भिलाई, के वि राजनांदगांव, के वि खैरागढ़, के वि कवर्धा, केवि दुर्ग, के वि बीएमवाई भिलाई एवं के वि डोंगरगढ़ के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम में कुल 248 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 85 छात्र एवं 163 छात्राएँ शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने विभिन्न कला एवं सांस्कृतिक विधाओं में अपनी प्रतिभा, सृजनात्मकता और भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी गहरी संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. ई. रेवती, सेवा निवृत्त प्राचार्य, शासकीय नेहरू महाविद्यालय, डोंगरगढ़, विशिष्ट अतिथि श्रीनिवास राव, पीआरओ, भारतीय पर्यटन विभाग, डोंगरगढ़ तथा विद्यालय के प्राचार्य एस. आर. कुजूर द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।कला उत्सव के अंतर्गत शास्त्रीय एवं लोक संगीत, लोक नृत्य, नाट्य मंचन, प्रश्नोत्तरी एवं कहानी कथन, एकल गायन, वादन, चित्रकला, त्रि-आयामी कला तथा पारंपरिक हस्तकला एवं खेल जैसी विभिन्न विधाओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों का मूल्यांकन रचनात्मकता, मौलिकता, विषय-वस्तु, प्रस्तुति एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के आधार पर किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा आगामी क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।

कला उत्सव विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम है - प्राचार्य एस. आर.

समापन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एस. आर. कुजूर ने कहा कि कला उत्सव विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, सृजनात्मकता, सौंदर्यबोध एवं भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

साहू समाज में अब गोधूलि बेला में शादियां

राजनांदगांव (दावा)। जिला साहू संघ राजनांदगांव की द्वितीय बैठक जिला अध्यक्ष नोबल साहू की अध्यक्षता में साहू सदन राजनांदगांव में आयोजित हुई। बैठक में समाजहित और सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में विशेष रूप से विवाह समारोहों को सरल एवं अनुशासित बनाने, सामाजिक कुरीतियों और अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाने, अंतरजातीय एवं सगोत्र विवाह के मामलों में सामाजिक नियमों के अनुरूप निर्णय लेने तथा प्रतिभावान युवाओं को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

बैठक का शुभारंभ संत शिरोमणि भक्त माता कर्मा के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ हुआ। इसके बाद जिले के विभिन्न परिक्षेत्रों एवं तहसीलों से पहुंचे अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारियों ने समाज से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखे। बैठक में साहू समाज में विवाह समारोहों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। समाज में अब शादियां गोधूलि बेला में आयोजित करने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य विवाह कार्यक्रमों को सामाजिक परंपराओं के अनुरूप रखते हुए अनावश्यक खर्च एवं दिखावे पर अंकुश लगाना है। साथ ही सभी तहसील अध्यक्षों को आदर्श विवाह के लिए कम से कम 10 जोड़ों का लक्ष्य दिया गया है। अंतरजातीय विवाह एवं सगोत्र विवाह से संबंधित प्रकरणों पर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। ऐसे मामलों में सामाजिक नियमों एवं छत्तीसगढ़ साहू संघ की नियमावली के अनुरूप निर्णय लेने पर सहमति बनी। यह भी तय किया गया कि इस प्रकार के प्रकरण पहले ग्रामीण, परिक्षेत्र एवं तहसील स्तर पर सामने आएंगे और आवश्यकतानुसार जिला संगठन को प्रेषित किए जाएंगे ताकि सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप उचित निर्णय लिया जा सके। बैठक में सामाजिक संवेदनशीलता से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तय किया गया कि अन्य समाज से साहू समाज में आई किसी महिला के निधन की स्थिति में उसका अंतिम संस्कार पूरे सम्मान एवं सामाजिक गरिमा के साथ किया जाएगा। समाज के पदाधिकारियों ने इसे सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया। सामाजिक कुरीतियों और अनावश्यक खर्चों को कम करने की दिशा में बैठक में मृत्यु भोज में पक्का कलेवा करने की प्रथा पर पूर्ण रोक लगाने का निर्णय लिया गया। समाज में सादगी, अनुशासन और आर्थिक बोझ कम करने के उद्देश्य से इस निर्णय को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके साथ ही गांव, परिक्षेत्र एवं तहसील स्तर पर होने वाली सामाजिक बैठकों को दिन के समय आयोजित करने पर जोर दिया गया, ताकि अधिक से अधिक सामाजिक बंधु इनमें शामिल हो सकें। बैठक में सगाई एवं विवाह प्रमाण-पत्र जारी करने की व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। गांव, परिक्षेत्र एवं तहसील स्तर से प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने पर विचार किया गया। इसके अलावा सामाजिक संबंधता शुल्क और सामाजिक संबंधता कार्ड बनाए जाने के विषय पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

जिला साहू संघ की बैठक में सामाजिक सुधारों पर अहम फैसले

समाज के प्रतिभावान युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के विद्यार्थियों को तीज महोत्सव के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समारोह 20 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज के विद्यार्थियों और युवाओं को शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। बैठक में सामाजिक एकता, अनुशासन एवं संगठनात्मक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए छत्तीसगढ़ साहू संघ की नियमावली (बायलॉज) का पालन करने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए नियमों का पालन और सभी स्तरों पर बेहतर समन्वय आवश्यक है।बैठक के दौरान राज्य एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों तथा चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाज के बंधुओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री नीलमणि साहू ने किया। अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला सचिव परदेशी राम साहू ने बैठक में लिए गए निर्णयों एवं कार्यक्रम की जानकारी दी।

दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत 30 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। पात्र विद्यार्थियों को आवेदन सहित अन्य आवश्यक प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी करनी होगी। चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी।

प्राप्त आवेदनों का सत्यापन दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में संबंधित विद्यालय अथवा शिक्षण संस्था द्वारा 15 अक्टूबर 2026 तक आवेदनों की जांच की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा 30 अक्टूबर 2026 तक आवेदनों का परीक्षण किया जाएगा।

खैरागढ़ में जिला स्तरीय स्काउट-गाइड व रोवर-रेंजर जांच शिविर का शुभारंभ, सेवा और अनुशासन का दिया संदेश

खैरागढ़ (दावा)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के तत्वावधान में जिला स्तरीय तृतीय सोपान स्काउट-गाइड एवं निपुण रोवर-रेंजर जांच शिविर का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, खैरागढ़ में आयोजित इस शिविर में जिलेभर के विभिन्न विद्यालयों से स्काउट्स, गाइड्स, रोवर एवं रेंजर्स उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिला मुख्य आयुक्त भागवत शरण सिंह ने कहा कि स्काउटिंग केवल प्रशिक्षण या गतिविधि नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम को जीवन में उतारने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों को शिविर में प्राप्त प्रशिक्षण का उपयोग समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण में करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डाईट खैरागढ़ की प्राचार्य डॉ. निहारिका कर्महे ने स्काउटिंग को व्यक्तित्व विकास का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में डाईट की व्याख्याता डॉ. मोनिका सिंह एवं डॉ. मकसूद खान उपस्थित रहे। वहीं जिला सचिव वर्मा एवं डीओसी धनुष सिन्हा की विशेष उपस्थिति रही।

कौशल विकास और आत्मनिर्भरता पर जोर

शिविर के दौरान प्रतिभागियों को स्काउटिंग एवं गाइडिंग से जुड़े विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा और उनकी व्यावहारिक जांच की जाएगी। प्रशिक्षण में टीम भावना, सेवा भाव, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुणों को विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा। 'सदैव तैयार' के मूलमंत्र के साथ प्रतिभागी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सेवा और नेतृत्व के गुर सीखेंगे। यह शिविर केवल प्रमाण-पत्र तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को अनुशासित नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बना अशियाना

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 शहरी के माध्यम से राजनांदगांव शहर में कुल 1115 आवासो की स्वीकृति बी.एल.सी. (हितग्राही द्वारा स्वयं से आवास निर्माण) के तहत शासन से प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति के विरूद्ध महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकामन के मार्गदर्शन में नगर के विभिन्न वार्डो मे 180 आवासो का निर्माण पूर्ण हो गया है तथा 507 आवास विभिन्न स्तरो पर निर्माणाधीन है।

आवास योजना का लाभ लेकर स्वयं के आवास में रहने वाले नवागांव वार्ड नं. 1 निवासी दुर्गा मानकर एक फुटपाथ चैक चैराहे में जूता चप्पल बेचने का काम करते हैं। इनकी पत्नि श्रीमती शीतल मानगर आवास योजना में अपने आवास की स्वीकृति से लेकर आवास पूर्ण होते तक की दास्ता अपने शब्दो में कुछ प्रकार बया करती है कि मेरी जिंदगी खानाबदोश थी, किराये के घर में जीवन गुजरते हुए, मेरे पति रोड के किनारे फुटपाथ पर चप्पल-जूते की दुकान लगा कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। मैं जब शादी होकर ससुराल आयी तो वो किराये के छोटे से घर में एक संयुक्त परिवार में आयी थी। छोटे छोटे कमरो में खाने पीने से लेकर आराम ना कर पाने तक की मुसीबत उस घर में होती थी। ऐसी विषम परिस्थिति में भी जिंदगी सवारने के कुछ ख्वाब बस जहन में थे, पर उन ख्वाबो को कैसे पूरा करना ये उलझन बनी रहती थी। उसी दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत वार्डवार सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा था, तब हमने अपने सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किये और कुछ महीने के उपरांत आवास निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई। मैंने इंजीनियर के मार्गदर्शन में आवास निर्माण कार्य प्रारम्भ किया।

फुटपाथ पर जूते चप्पल बेचने वाले दुर्गा मानकर का स्वयं के आवास बनने सें बारिश में मिली राहत
महतारी वंदन योजना से जरूरतों की हुई पूर्ति

योजना के अंतर्गत जैसे जैसे मेरे घर का निर्माण कार्य की प्रगति होती -गयी नीव स्तर से लेंटर स्तर, से छत स्तर एवं अंतिम किस्त आवास पूर्ण होने पर भुगतान प्रकिया के अनुरूप स्तरबद्ध चार किस्तों में कुल 2 लाख 50 हजार रूपये की राशि मुझे मेरे आधार से जुड़े बैंक खाते में प्राप्त होती गयी और मुझे घुटन भरे माहौल से छुटकारा मिला। आज अपने दोनों बच्चे वाणी एवं छायांश के साथ टाइल्स लगे सुंदर व्यवस्थित किचन वाले घर में रहते हुए अपने दोनों बच्चों के भविष्य को संवारने की बात बस अब मन मे रहती है। आवास योजना का लाभ मिलने पर मैं शासन प्रशासन का आभार व्यक्त करती हूॅ। साथ ही छोटी छोटी जरूरते की पूर्ति महतारी वंदन योजना के तहत प्रत्येक महीने 1 हजार रूपये की आर्थिक सहायता के साथ साथ शासन की खाद्यान योजना के द्वारा राशन मिलने से मुझे पहुत राहत मिल रही है।

संवाद-48731/40

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com